प्रसारित - आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

साप्ताहिक

मोर्निंग सिटी

सच के साथ...

वर्ष - 10 अंक 24, 28 सितम्बर से 04 अक्टूबर 2025 , 2025 मूल्य- 10 रुपये । पृष्ठ 8

मेरी ताकत परिवार... 8

मोर्निंग सिटी | MORNING CITY

यूपी का सर्वक्षेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म

बरेली हिंसा पर सीएम योगी बोले- जो भाषा समझते थे, उसी में समझाया गया

लखनऊ

राजधानी लखनऊ स्थित होटल ताज में शनिवार को 'विकसित उत्तर प्रदेश विजन 2047' के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। इस मौके पर यूपी के विकास और आने वाले समय में प्रदेश के विकास के लक्ष्य पर चर्चा हुई। इस दौरान अपने संबोधन में सीएम योगी ने प्रदेश में कानून व्यवस्था से लेकर एक्सप्रेसवे, मेट्रो और अन्य विकास कार्यों पर अपनी बात रखी। उन्होंने अशांति फैलाने वालों को सख्त लहजे में चेतावनी दी। सीएम ने कहा कि बरेली में वह मौलाना भूल गया कि शासन किसका है। कहता था, धमकी देंगे कि हम शहर जाम कर देंगे। हमने कहा ना तो जाम होगा... ना ही कर्फ्यू लगेगा। बल्कि, ऐसा सबक सिखाएंगे की आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी। 2017 से पहले यही होता था। लेकिन, अब हमने ऐसे बैरियर को लागू किया है, जिससे चुन-चुन करके ऐसे लोगों को सबक सिखाया। वह जिस भाषा में समझना चाहते थे, उस भाषा में उन्हें समझाया गया। पहले सरकारों ने हर जिले में एक माफिया दिया था। जिले की सत्ता माफिया को चलाने की छूट दी गई थी। हर व्यक्ति अपनी पहचान को मोहताज था। खेती-बाड़ी चौपट थी। नौजवानों की नौकरियों पर सेंध लगाती थी। उनकी नीलामी होती थी। चाचा-भतीजा वसूली के लिए निकल पड़ते थे। वसूली का गैंग चलता था।

विदेशियों ने भारत को लूटकर अपने आप को समृद्ध किया

अंग्रेज भारत से 32 ट्रिलियन डॉलर के बराबर सोना लूटकर अपने साथ ले गए। विदेशियों ने भारत को लूटकर अपने आप को समृद्ध किया है। अंग्रेजों ने उद्योग धंधों को समाप्त किया। कौन नहीं जानता भारत टेक्सटाइल का हब था। भारत के पास सब कुछ था, जो दुनिया को चाहिए था। दुनिया का पहला विश्व विश्वविद्यालय तक्षशिला भारत ने दुनिया को दिया। दक्ष भगवान राम के अनुज भरत जी के पुत्र थे। पाणिनि जन्म भी वहीं हुआ। वहीं चरक हुए। जिन्होंने आयुर्वेद के ग्रंथ इसी विश्वविद्यालय में रचे थे। सीएम ने आगे कहा कि तक्षशिला विश्वविद्यालय ने दुनिया का पहला मेडिकल सर्जन सुश्रुत के नाम पर दिया। इसी विश्वविद्यालय में जीवक नाम के वैद्य भी थे। अध्ययन पूरा करने के बाद आचार्य से कहा कि मैं जाना चाहता हूं। आचार्य ने कहा कि सामने जंगल में जाओ और बताओ किस वनस्पति में औषधि के गुण हैं। जीवन 15 दिन तक जंगलों में भटकते रहे और अध्ययन किया। लौटकर आए तो कहा कि ऐसी कोई वनस्पति नहीं जिसमें औषधि गुण न हों। इसी तरह ऐसा कोई मानव नहीं, जिसके अंदर गुण न हों। लेकिन, एक लक्ष्य होना चाहिए। इसीलिए मैं कहता हूं कि यही वह लोग हैं जो झूठे नारों से समाज को गुमराह करते हैं। जाति और धर्म के नाम पर समाज को बांटते हैं। ऐसे ही लोगों के लिए मैंने बुलडोजर बनाया है। आजादी के समय जिस राज्य का योगदान एक तिहाई से ज्यादा था, आज केवल दो फीसदी रह गया है। भारत 11वीं अर्थव्यवस्था के रूप में सीमित रह गया था, जो आज चौथे स्थान पर पहुंच गया है। जल्द से जल्द तीसरे स्थान पर होगा। सीएम योगी ने बोलते हुए आगे कहा कि उत्तर प्रदेश के लोगों की भी आकांक्षाएं हैं। 1947 में आजादी के समय उत्तर प्रदेश का योगदान भारत की आर्थिक प्रगति में 14 फीसदी था। 2016 में जब हम आए तो यह घटकर केवल आठ फीसदी रह गया था। उत्तर प्रदेश देश की सातवीं अर्थव्यवस्था रह गया था। पिछले 8 वर्षों में जो हर एक क्षेत्र में प्रगति हुई है, वह आपके सामने है। साढ़े आठ साल पहले शब्द क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर की कल्पना करना भी एक सपना था। पर्व त्योहार आने से पहले ही उत्पात शुरू हो जाते थे।

झारसुगुड़ा में पीएम मोदी ने कई परियोजनाओं का किया उद्घाटन, बोले

ओडिशा डबल इंजन की रफ्तार से आगे बढ़ रहा

झारसुगुड़ा (ओडिशा)

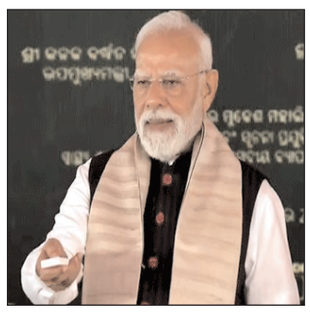

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ओडिशा के झारसुगुड़ा से दूरसंचार, रेलवे और उच्च शिक्षा जैसे क्षेत्रों से जुड़ीं 60,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की शुरूआत करते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार के प्रयासों से राज्य तेजी से प्रगति कर रहा है। मोदी ने देश भर में आठ आईआईटी के विस्तार की आधारशिला रखी, जिससे अगले चार वर्षों में 10,000 नए छात्र आईआईटी में पढ़ सकेंगे। प्रधानमंत्री ने झारसुगुड़ा में रैली में को संबोधित करते हुए कहा कि कला और संस्कृति के प्रति ओडिशा का प्रेम और लगाव विश्व प्रसिद्ध है। ओडिशा के झारसुगुड़ा में नमो युवा समावेश कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने लोगों को कांग्रेस और उसके सहयोगियों द्वारा की जा रही कथित लूट के प्रति आगाह किया। कार्यक्रम में मोदी ने कहा, कांग्रेस ने लोगों को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ा और दो लाख रुपये सालाना आय वालों पर भी कर लगा दिया। भाजपा सरकार ने इस सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपये से ज्यादा कर दिया...कांग्रेस और उसके सहयोगियों से सावधान रहें, क्योंकि वे लोगों को लूटते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की ओर से जीएसटी व्यवस्था में सुधार और लोगों को राहत दिए जाने के बाद कांग्रेस ने भाजपा सरकार को गाली देना शुरू कर दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा, जब हमारी सरकार ने सीमेंट की कीमतें कम कीं, तो हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने अपना कर लगा दिया। जब हमने जीएसटी दरें कम कीं, तो पूरे देश में कीमतें कम हो गईं, लेकिन कांग्रेस आम लोगों को यह राहत नहीं देना चाहती। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने हाल ही में कर दरों को युक्तिसंगत बनाने और पांच व 18 प्रतिशत की दो दरें कायम रखने का निर्णय लिया था। 22 सितंबर से लागू इस फैसले से उत्पादों व सेवाओं की कीमतों में कमी आने की उम्मीद थी। मोदी ने यह भी कहा कि डबल इंजन सरकार के तहत ओडिशा तेजी से प्रगति कर रहा है। डबल इंजन शब्द का इस्तेमाल भाजपा नेता केंद्र और राज्य दोनों जगहों पर पार्टी की सत्ता के लिए करते हैं। उन्होंने दावा किया, कई दशकों तक गरीबी झेलने वाला ओडिशा अब समृद्धि की राह पर है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार गरीबों, दलितों और आदिवासियों को सशक्त बनाने पर ध्यान दे रही है। आत्मनिर्भर भारत की आवश्यकता पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, हमारा संकल्प है कि चिप से लेकर शिप तक, भारत हर चीज में आत्मनिर्भर हो। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र ने ओडिशा के लिए दो सेमीकंडक्टर इकाइयों को मंजूरी दे दी है।

प्रधानमंत्री ने 1,400 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 34 किलोमीटर लंबी कोरापुट-बैगुड़ा रेल लाइन और 82 किलोमीटर लंबे मनाबर-कोरापुट-गोरपुर खंड राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने बीएसएनएल की स्वदेशी तकनीक से निर्मित 97,500 से अधिक 4जी दूरसंचार टावरों की शुरूआत की। मोदी ने संबलपुर शहर में 273 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पांच किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर का उद्घाटन किया। जून 2024 में ओडिशा में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से 15 महीने में प्रधानमंत्री का राज्य का यह छठा दौरा है। मोदी का झारसुगुड़ा दौरा सात साल के अंतराल के बाद हुआ है। वह 22 सितंबर 2018 को ओडिशा के दूसरे वाणिज्यिक हवाई अड्डे का उद्घाटन करने के लिए यहां आए थे।

'आई लव मोहम्मद' विवाद के बीच लखनऊ की सड़कों पर लगी 'आई लव योगी आदित्यनाथ' और 'आई लव बुलडोजर' की होर्डिंग्स

लखनऊ

उत्तर प्रदेश में इन दिनों 'आई लव मोहम्मद' मामला तूल पकड़ रहा है। कई शहरों से इसको लेकर प्रदर्शन की खबरें सामने आई हैं। इसी बीच भाजपा युवा मोर्चा के नेता द्वारा राजधानी लखनऊ में कई जगह 'आई लव योगी आदित्यनाथ' और 'आई लव बुलडोजर' की होर्डिंग्स लगाई गई हैं। यह होर्डिंग्स भाजपा युवा मोर्चा, लखनऊ के महासचिव अमित त्रिपाठी की तरफ से लगाई गई हैं। इसकी तस्वीरें सामने आईं तो सूबे में राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गईं। दरअसल, विवाद की शुरूआत 9 सितंबर को हुई थी, जब कानपुर में बारावफात जुलूस के दौरान सार्वजनिक मार्ग पर 'आई लव मोहम्मद' लिखे बोर्ड लगाए गए। इस पर पुलिस ने नौ नामजद और 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। मामले ने तूल पकड़ते हुए एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी तक का ध्यान खींचा, जिन्होंने कहा था कि 'आई लव मोहम्मद' कहना कोई अपराध नहीं है। धीरे-धीरे यह विवाद उत्तर प्रदेश के कई जिलों से निकलकर उत्तराखंड और कर्नाटक तक फैल गया, जहां विरोध-प्रदर्शन और पुलिस की सख्ती देखने को मिली।

भारत-रूस व्यापार सहयोग को नई ऊँचाई: पीयूष गोयल ने रूसी उप प्रधानमंत्री से की महत्वपूर्ण बैठक

रूस

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को रूस के उप प्रधानमंत्री दिमित्री पेत्रुशेव के साथ अहम बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य भारत और रूस के बीच व्यापार, उद्योग और आर्थिक सहयोग को बढ़ाना था। मंत्री गोयल ने इस मौके पर जोर देकर कहा कि दोनों देशों के बीच यह सहयोग आपसी विकास के लिए नए अवसर खोलेगा और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करेगा। पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि भारत और रूस साझेदारी को और गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने व्यापार, सेवाओं और औद्योगिक सहयोग के नए क्षेत्रों की खोज पर भी चर्चा की। सरकारी सूत्रों के अनुसार, पेत्रुशेव ने भारत दौरे के दौरान प्रमुख मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। गोयल के साथ बैठक में निगरानी एजेंसियों के कामकाज को मजबूत करने, मत्स्य पालन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने, और रूसी मांस एवं डेयरी उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोलने जैसे विषयों पर जोर दिया गया। रूस के उप-प्रधानमंत्री ने भारत और यूरेशियन आर्थिक संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते में तेजी लाने की जरूरत पर भी प्रकाश डाला। इस पहल से दोनों देशों के बीच व्यापारिक प्रवाह और औद्योगिक सहयोग में सुधार की संभावना बढ़ेगी। पेत्रुशेव ने केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से भी मुलाकात की। इस बैठक में खनिज उर्वरकों की आपूर्ति बढ़ाने और पारस्परिक लाभकारी सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा हुई। पेत्रुशेव ने कहा कि रूस भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी जारी रखने और सहयोग बढ़ाने में गहरी रुचि रखता है। इसके साथ ही, उन्होंने केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भी मुलाकात की। बैठक में कृषि आपूर्ति की मात्रा और सीमा बढ़ाने, वनस्पति तेल, फलियां और अन्य कृषि उत्पादों के निर्यात में वृद्धि की संभावनाओं पर चर्चा हुई। पेत्रुशेव ने बताया कि दोनों देशों के बीच कृषि व्यापार में तेजी से वृद्धि हुई है और 2024 में इसमें 60 प्रतिशत

'चुनाव जीते तो चुन चुनकर बाहर निकालेंगे'

अररिया में गृह मंत्री अमित शाह ने उठाया घुसपैठ का मुद्दा

अररिया

केंद्रीय गृहमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह शनिवार को अररिया जिले के फारबिसगंज स्थित हवाई फील्ड मैदान में पहुंचे। वे हेलीकॉप्टर से आए और नौ जिलों से जुटे करीब पांच हजार कार्यकताओं से सीधे संवाद किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कार्यकताओं में जोश भरा और उन्हें पार्टी का असली मालिक बताया। शाह ने अपने भाषण में कहा कि जहां लालू प्रसाद यादव और राहुल गांधी जैसे नेताओं की पार्टियां केवल नेताओं के आधार पर चुनाव जीतने की कोशिश करती हैं, वहीं भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जिसे चुनाव जिताने का दम नेताओं में नहीं बल्कि कार्यकताओं में होता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अन्य दलों के लिए चुनाव सिर्फ अपनी पार्टी को जिताने का अवसर होता है, लेकिन भाजपा के लिए यह चुनाव घुसपैठियों को बाहर करने का अभियान है। उन्होंने वादा किया कि अगर कार्यकर्ता ठऊअ को एक-तिहाई बहुमत से जिताते हैं तो वे घुसपैठियों को ढूंढ-ढूंढकर बाहर करेंगे। अमित शाह ने यह भी कहा कि यह चुनाव बिहार को बाढ़ की समस्या से मुक्ति दिलाने का चुनाव है। उन्होंने कार्यकताओं से आग्रह किया कि इस बार बिहार में चार दिवाली मनाई जाए। पहली दिवाली तब होगी जब भगवान राम अयोध्या लौटेंगे। दूसरी दिवाली तब मनी जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीविका दीदियों के खातों में दस-दस हजार रुपये भेजे। तीसरी दिवाली तब मनाई गई जब जीएसटी में तीन सौ पचास वस्तुओं के दाम घटाए गए। चौथी दिवाली तब मनाई जाएगी जब 160 से अधिक सीटों पर ठऊअ की जीत सुनिश्चित होगी और सरकार बनेगी। अमित शाह ने आगे कहा कि 2020 के विधानसभा चुनाव में किशनगंज को छोड़कर हम सभी जिलों में नंबर वन पर रहे थे। बस एक कसर छूट गई थी, लेकिन इस बार किशनगंज में ही हम जीतेंगे। गृह मंत्री ने आगे कहा कि इस बार कांग्रेस के लिए यह चुनाव पूरे बिहार से घुसपैठियों को खदेड़ने का चुनाव है। मैं वादा करता हूँ कि इस बार एनडीए की सरकार बनवाकर हम बिहार से घुसपैठियों को निकाल फेकेंगे। अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी चाहते हैं कि घुसपैठियों को वोट का अधिकार मिले। सीमांचल वालों, बताओ घुसपैठियों को वोट का अधिकार मिलना चाहिए क्या? राहुल बाबा कान खोलकर सुन लो, बिहार और देश से चुन-चुनकर घुसपैठियों को बाहर निकालेंगे। यह चुनाव बिहार से घुसपैठियों को बाहर निकालने का चुनाव है। पीएम मोदी ने पूर्णिया की धरती से ही मखाना बोर्ड की घोषणा की। भागलपुर में विद्युत संयंत्र का शिलान्यास किया। पूर्णिया में एयरपोर्ट दिया। बिहटा के अलावा 6 एयरपोर्ट और बनाएंगे। कोसी लिंक परियोजना की घोषणा की है, जिससे कोसी क्षेत्र के लोगों को बाढ़ की समस्या से राहत मिलेगी।

महिलाओं-बच्चों को आगे कर हिंदू पर्व पर व्यवधान डाला तो छोड़ेंगे नहीं- सीएम योगी

श्रावस्ती

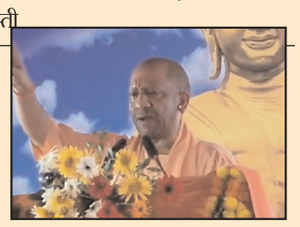

सीएम योगी आदित्यनाथ शनिवार को श्रावस्ती पहुंचे। यहां उन्होंने 510 करोड़ की परियोजनाओं की शौगात दी। 236 करोड़ की 32 परियोजनाओं का लोकार्पण व 274 करोड़ की 22 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस मौके पर सीएम ने सात अक्तूबर को प्रदेशभर में महर्षि बाल्मीकि जयंती पर अवकाश की घोषणा की। साथ ही पर्यटन विभाग को सभी मंदिरों में अखंड रामायण पाठ करवाने के लिए निर्देशित किया।

बरेली बवाल पर सीएम योगी ने कहा कि कुछ लोगों को शांति अच्छी नहीं लगती है। हिंदू पर्वों पर उनको गर्मी आने लगती है। तब ऐसे लोगों के लिए डेटिंग-पेंटिंग का सहारा लेना पड़ता है। इस्लाम में बुतपरस्ती का विरोध करते हैं। दूसरी तरफ 'आई लव मोहम्मद' के नाम पर तोड़फोड़ कर रहे हैं। ये शारदीय नवरात्र पर अव्यवस्था करना चाहते हैं, लेकिन इन्हें नहीं पता कि मां भगवती नवरात्र में चंड- मुंड का नाश करती हैं। सीएम ने आगे कहा कि हिंदू त्योहारों पर सपरिवार इकठ्ठा होते हैं। कोई सनातनी अपने पर्व पर किसी से भेदभाव नहीं करता है। लेकिन, कुछ अराजकतत्व हिंदू पर्व पर व्यवधान डालना चाहते हैं। पर्व के दौरान व्यवधान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। किसी ने सड़क पर प्रदर्शन किया तो उसे खुले मंच से चेतावनी देता हूं कि अगर कायरों की तरह महिलाओं-बच्चों को आगे कर व्यवधान डाला तो छोड़ेंगे नहीं।

तमिलनाडु में टीवीके की रैली में भगदड़, 31 लोगों की मौत; सीएम एमके स्टालिन जाएंगे करूर

करूर

तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख और अभिनेता विजय की रैली में भगदड़ मच गई। रैली में भगदड़ से बच्चों समेत 31 लोगों की मौत हो गई है। करूर के अस्पतालों में अफरातफरी मच गई है। पुलिस ने रैली में पहुंची भीड़ को हटाने के लिए लाठीचार्ज किया। मंत्री, शीर्ष अधिकारी, पुलिस अधिकारी करूर पहुंच गए हैं। सीएम एमके स्टालिन ने घटना को लेकर चिंता जाहिर की है।

तमिलनाडु के पूर्व मंत्री और डीएमके नेता वी सेंथिल बालाजी करूर के सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल पहुंचे। उन्होंने कहा कि अब तक भगदड़ में 31 लोगों की मौत हो चुकी है और 58 लोगों को भर्ती कराया गया है। भगदड़ की घटना के बाद सीएम ने तुरंत पूछताछ की और जिला कलेक्टर, एसपी और मुझे अस्पताल पहुंचने का आदेश दिया। हमें अतिरिक्त डॉक्टरों को बुलाने और उचित इलाज करने की सलाह दी। कल मुख्यमंत्री खुद यहां आने वाले हैं। अभी तक 46 लोग निजी अस्पताल में हैं, और 12 लोग इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती हैं। करूर में रैली के दौरान टीवीके अध्यक्ष के प्रचार वाहन को भारी भीड़ के चलते रोक दिया गया। हालात बेकाबू होते देख विजय को कुछ समय के लिए अपना भाषण रोकना पड़ा। उन्होंने कहा कि पुलिस कृपया मदद करे। भगदड़ के कारण कुछ कार्यकर्ता बेहोश हो गए। दो एंबुलेंस पार्टी कार्यकताओं को लेकर गईं। इस बीच रैली में विजय ने कार्यकताओं को पानी की बोतलें दीं। इसके बाद हालात बिगड़ते गए। अस्पतालों में पहुंचे कई बेहोश लोगों की मौत हो गई। सूचना पर अस्पताल पहुंचे बेहोश लोगों के परिजन फूट-फूटकर रोने लगे।

सीएम एमके स्टालिन ने कहा कि विजय की रैली में भगदड़ जैसी स्थिति और कई लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की खबर मिली। करूर प्रशासन से मिली जानकारी चिंताजनक है। स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम और जिला कलेक्टर को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने को कहा है। मंत्री अंबिल महेश को भी मदद मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं।

बरेली बवाल में बड़ी कार्रवाई: मौलाना तौकीर समेत आठ आरोपी भेजे गए जेल, दस मुकदमे दर्ज; इंटरनेट भी बंद

बरेली

बरेली में शुक्रवार को हुए बवाल के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने शनिवार को मौलाना तौकीर रजा खां समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अलग-अलग थानों में 10 मुकदमे दर्ज किए हैं। मौलाना तौकीर को बलवा कराने का आरोपी बनाया गया है। गिरफ्तारी के बाद मौलाना समेत आठों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि जुमे की नमाज के बाद अलग-अलग जगहों पर हिंसक प्रदर्शन किया। इसमें अब तक कुल 10 एफआईआर दर्ज की गई हैं। कोतवाली में पांच, बारादरी में दो, थाना किला, प्रेमनगर और कैंट में एक-एक एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने मौलाना तौकीर रजा समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। पुलिस 39 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बवाल के बाद जिले में 48 घंटे के लिए इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। बीएसएनएल क्षेत्रीय कार्यालय के जीएम पंकज पोरवाल ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि शनिवार को सोशल मीडिया पर जो पत्र वायरल हुआ है, वह सही है। शासन के निर्देश पर इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। बवाल के मामले में पुलिस ने शहर के अलग-अलग पांच थानों में 10 मुकदमे दर्ज किए हैं। कोतवाली में दर्ज बलवे के मुकदमे में आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां को आरोपी बनाया गया है, जबकि बाकी मुकदमों में मौलाना के समर्थक नामजद किए जा रहे हैं। फाइक एनक्लेव निवासी बरातघर संचालक फरहत और उसके बेटे को बारादरी पुलिस ने जांच के आधार पर मुकदमे में शामिल किया है। शुक्रवार रात से इन्हीं लोगों ने मौलाना को अपने घर में शरण दे रखी थी। बवाल के बाद मौलाना तौकीर रजा खां ने शुक्रवार रात 10:20 बजे वीडियो जारी कर कहा है कि अतीक और अशरफ की तरह मुझे गोली मार दो, मोहम्मद के नाम पर मरना कबूल है। उन्होंने कहा कि वह अब तक नजरबंद हैं। उन्होंने मुसलमानों को मुबारकबाद पेश करते हुए घटना को साजिश करार दिया। मौलाना ने कहा कि मैं आशिकाने रसूल को मुबारकबाद पेश करता हूं। ऐसे खतरनाक समय में इश्क-ए रसूल के नाम पर आप लोग आए। हमने अमन का रास्ता इख्तियार किया था। मोहम्मद साहब के नाम को जो बार-बार अपमानित किया जा रहा है, उसके लिए सख्त कानून बनाया जाए। मौलाना ने कहा कि "मैं वहां जाता, नमाज पढ़ता और ज्ञापन देकर लोगों को घर भेज देता, पर हमेशा की तरह मुझे हाउस अरेस्ट कर लिया"।

सम्पादकीय

दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना

पंडित दीनदयाल की जयंती के अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला में एक राज्यस्तरीय समारोह में प्रदेश में महिलाओं के लिए दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना की शुरूआत की है। मुख्यमंत्री सैनी ने इसके लिए विशेष मोबाइल एप लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि इस योजना का लाभ 23 वर्ष से 60 वर्ष की आयु की उन विवाहित व अविवाहित बहनों को मिलेगा, जिनके परिवार की सालाना आय एक लाख रुपये तक है। इसके तहत, एक नवंबर से हर महीने 2100 रुपये पात्र महिलाओं के बैंक खातों में आने शुरू हो जाएंगे। पहले चरण में लगभग 20 लाख महिलाओं को इसका लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि एप के माध्यम से बहनें घर बैठे आवेदन कर सकेंगी। जो महिलाएं 25 सितंबर तक इस योजना के लिए पात्र हैं, वे तुरंत आवेदन कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए ऐतिहासिक पहल हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य विकास की योजनाओं को अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक पहुंचाना है। सीएम ने आवेदन में आने वाली समस्या के समाधान के लिए टोल फ्री नंबर (18001802231) और हेल्पलाइन नंबर (01724880500) भी जारी किया। कार्यक्रम के दौरान ही पांच पात्र महिलाओं का लाइव पंजीकरण करवाया गया। सीएम ने बताया कि मोबाइल एप लॉन्च होने के कुछ समय के भीतर ही लगभग 50 हजार महिलाओं ने एप डाउनलोड किया और 8000 महिलाओं ने आवेदन किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने योजना का शुभारंभ करते हुए साफ कहा कि भाजपा की सरकार अंत्योदय दर्शन को नारी शक्ति से जोड़कर 2029 की राह तय कर रही है। उन्होंने कहा कि पं. दीनदयाल का मानना था कि राष्ट्र तभी महान बनेगा जब नारी सुरक्षित और सम्मानित होगी। मंच से उन्होंने इसे भाजपा की राजनीति का चुनावी मंत्र बना दिया। उन्होंने बेटियों से कहा कि जब वे 23 साल की हों, उस दिन से इस योजना का लाभ उठाना शुरू करें। इस भावनात्मक अपील के जरिये सीएम ने महिला वोटरों को साधने की भी कोशिश की। गौरतलब है कि हरियाणा की राजनीति में महिलाओं की हिस्सेदारी निर्णायक रही है। 2014 और 2019 में भाजपा को महिला वोटों से भारी फायदा मिला। अब महिलाओं को 2100 रुपये मासिक सहायता और डिजिटल कनेक्ट देकर चुनावी गणित बदलने का दांव खेला है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि योजना का क्रियान्वयन तेज और पारदर्शी रहा तो यह भाजपा का सबसे बड़ा सोशल इंजीनियरिंग हथियार साबित हो सकता है। हरियाणा में मुख्यमंत्री सैनी द्वारा शुरू की गई दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना का नवरात्रों के दिनों में शुरू करने की घोषणा का एक अलग महत्व है।

सुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

संवाद से समाधान तक: लेह-लद्दाख में हिंसा का सबक

ललित गर्ग

लद्दाख के लोग चाहते हैं कि उन्हें पूर्ण राज्य का अधिकार मिले ताकि वे अपने निर्णय स्वयं ले सकें। साथ ही उनकी यह भी माँग है कि उन्हें संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए जिससे उनकी भूमि, संसाधन, परंपराएँ और रोजगार सुरक्षित रहें। रोजगार के अवसरों की कमी और सरकारी नौकरियों में स्थानीय युवाओं की उपेक्षा ने इस असंतोष को और गहरा किया है। लेह और कारगिल के बीच प्रतिनिधित्व को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। लगातार समितियाँ बनीं, बातचीत हुई, आश्वासन दिए गए, लेकिन जब ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो लोगों के भीतर अविश्वास बढ़ा। निस्संदेह, लेह चीन की सीमा से लगा सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है, जिसके मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाना जरूरी है। एक बड़ा मुद्दा क्षेत्र के युवाओं की बेरोजगारी रही है। युवाओं की दलील है कि क्षेत्र के युवाओं को पहले जम्मू-कश्मीर पब्लिक सर्विस सेलेक्शन कमीशन में राजपत्रित अधिकारी पदों के लिये आवेदन का मौका मिलता था, जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बंद हो गया।

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा देने व संविधान के अंतर्गत विशेष संरक्षण देने वाली छठी अनुसूची में शामिल करने के लिये चल रहे आंदोलन का हिंसक एवं विध्वंसक होना, विरोध प्रदर्शन, पुलिस के साथ झड़प और आगजनी की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ-साथ चिन्ताजनक है। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी एकत्र हुए और उन्होंने लेह में भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में आग लगा दी और उसके बाहर खड़े वाहनों को फूंक दिया। आमतौर पर बेहद शांत रहने वाले लद्दाख के लिए यह बहुत बड़ी घटना है। दरअसल, पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक दो सप्ताह से अनशन पर थे, उनके साथ अन्य कार्यकर्ता भी अनशनरत थे, जिनकी तबीयत बिगड़ने से जन-आक्रोश एवं हिंसा भड़की। इस हिंसा ने अनेक सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर यह घटना वहाँ की जनता के असंतोष और बेचैनी को उजागर करती है, वहीं दूसरी ओर यह संकेत देती है कि लंबे समय से किए जा रहे वादे और आश्वासन क्यों अधूरे रह गए और क्यों स्थानीय लोग स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं?

सरकार ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए के प्रावधान हटाने के साथ ही जम्मू-कश्मीर से अलग कर लद्दाख को केंद्र शासित राज्य बनाया था। तब सरकार ने वादा किया था कि हालात सामान्य होते ही पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। लोगों ने सोचा था कि अब उनकी पहचान, संस्कृति और स्थानीय अधिकार और अधिक सुरक्षित होंगे। लेकिन इसके विपरीत उनकी आशंकाएँ बढ़ीं। उन्हें लगा कि संघ शासित प्रदेश के रूप में दिल्ली से संचालित प्रशासन स्थानीय जरूरतों और आकांक्षाओं को समझने और पूरा करने में असफल हो रहा है। इसी कारण 6 साल बाद लोगों का भरोसा और सब्र डगमगाने लगा। इसी के चलते सोनम वांगचुक को अहिंसक आन्दोलन का रास्ता अख्तियार करना पड़ा, जो कतिपय कारणों से हिंसक हो गया। हालांकि, हिंसा के बाद वांगचुक ने अपना अनशन त्याग कर आंदोलनकारियों से शांति की अपील की है। उन्होंने कहा है कि इस तरह की हिंसा से शांतिपूर्ण आंदोलन का मेरा संदेश आज विफल हो गया। अगर युवा गलत रास्ते पर जाएंगे, तो इससे हमारे वास्तविक उद्देश्य गुम हो जायेंगे। वाकई, लद्दाख के संयमी समाज को सतर्कता और संवेदनशीलता का परिचय देना चाहिए। वांगचुक का पूरा आंदोलन अहिंसक रहा है। सरकार से मतभेद होने पर भी उन्होंने बातचीत का रास्ता नहीं छोड़ा। उनके समर्थन में खड़े युवाओं को इसे समझना चाहिए। हिंसा से समस्या जटिल हो जाएगी। लद्दाख की जो भौगोलिक स्थिति है, उसे देखते हुए वहां के लोगों को कानून-व्यवस्था के प्रति विशेष रूप से सजग रहना चाहिए। लद्दाख का केंद्रशासित प्रदेश बनना एक नये सूरज का उदय होना है और इसका वहां के लोगों ने स्वागत भी किया था। इस क्षेत्र को कश्मीर घाटी के वर्चस्व से मुक्ति मिली थी, पर वहां के लोगों की महत्वाकांक्षा को राजनीति रंग देकर एवं संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के अंधेरों में धकेल कर इसके वास्तविक उद्देश्यों को धुंधलाने की कुचेष्टा की गई है। हिंसा व आगजनी के बाद केंद्र शासित प्रदेश में संचारबंदी लागू की गई है। मीडिया माध्यमों से कुछ आंदोलनकारियों के मारे जाने की बात भी कही जा रही है। प्रतिक्रिया स्वरूप लेह बंद का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। यह प्रदर्शन कालांतर हिंसक प्रतिरोध में बदल गया। घटनाक्रम के बाद जम्मू-कश्मीर के विपक्षी दलों ने हिंसा के लिये केंद्र को निशाने पर लिया है। कहा गया कि आंदोलनकारी लेह की अस्मिता को संरक्षण देने और स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र व लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच आगामी 6 अक्टूबर, 2025 को एक वार्ता का दौर निर्धारित था, जिसमें लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के सदस्य शामिल होने वाले हैं। जब बातचीत होने ही वाली है, तो ऐसे विरोध प्रदर्शन की क्या जरूरत थी? लेह के लोग अधूरे वायदों से खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और उनमें यह डर है कि अगर शासन उनके हाथ में न रहा तो प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन होगा। इसी वजह से आंदोलनकारियों की हिंसक अभिव्यक्ति सामने आई है। वास्तव में, यह पूरा आंदोलन राजनीतिक प्रवृत्ति का है। इस प्रदर्शन को साफ तौर पर सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा सकता है। कहा जा रहा है कि ताजा विरोध-प्रदर्शन केन्द्र से बातचीत को अनुकूल दिशा में ले जाने की रणनीति का हिस्सा है।

लद्दाख के लोग चाहते हैं कि उन्हें पूर्ण राज्य का अधिकार मिले ताकि वे अपने निर्णय स्वयं ले सकें। साथ ही उनकी यह भी माँग है कि उन्हें संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए जिससे उनकी भूमि, संसाधन, परंपराएँ और रोजगार सुरक्षित रहें। रोजगार के अवसरों की कमी और सरकारी नौकरियों में स्थानीय युवाओं की उपेक्षा ने इस असंतोष को और गहरा किया है। लेह और कारगिल के बीच प्रतिनिधित्व को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। लगातार समितियाँ बनीं, बातचीत हुई, आश्वासन दिए गए, लेकिन जब ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो लोगों के भीतर अविश्वास बढ़ा। निस्संदेह, लेह चीन की सीमा से लगा सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है, जिसके मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाना जरूरी है। एक बड़ा मुद्दा क्षेत्र के युवाओं की बेरोजगारी रही है। युवाओं की दलील है कि क्षेत्र के युवाओं को पहले जम्मू-कश्मीर पब्लिक सर्विस सेलेक्शन कमीशन में राजपत्रित अधिकारी पदों के लिये आवेदन का मौका मिलता था, जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बंद हो गया। स्थानीय युवा अब केंद्रीय कर्मचारी चयन आयोग की स्पर्द्धा में टिक पाने में दिक्कत महसूस करते हैं। वहीं दूसरी ओर स्थानीय नौकरियों में युवाओं के लिये कोई विशेष अभियान भी नहीं चला। जिससे बेरोजगारों में खासा रोष व्याप्त रहा है।

आंदोलनकारी इसके अलावा कारगिल व लेह को लोकसभा सीट बनाने और स्थानीय लोगों को सरकारी नौकरियों में वरीयता देने की भी मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संविधान के अनुच्छेद 244 की छठी अनुसूची में ऐसी स्वायत्त व अधिकार संपन्न प्रशासनिक इकाइयों का प्रावधान है, जिनके पास जल-जंगल व उद्योगों को लेकर क्षेत्र की संस्कृति व संरक्षण हेतु निर्णय करने का अधिकार होता है। लोग यह महसूस करने लगे कि उनकी जान-माल की सुरक्षा को लेकर सरकार गंभीर नहीं है। लद्दाख की जनता के भीतर असुरक्षा की भावना इसलिए भी है क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी भूमि और संसाधनों पर बाहरी दखल बढ़ रहा है। स्थानीय प्रशासनिक संस्थाएँ जैसे हिल डेवलपमेंट काउंसिल्स कमजोर कर दी गई हैं और महत्वपूर्ण फैसले केंद्र के हाथ में केंद्रित हो गए हैं। इससे यह भावना गहराती है कि स्थानीय समाज की आवाज को दबाया जा रहा है। जब लंबे समय तक विश्वास और संवाद की कमी बनी रहती है तो जनता के धैर्य का बाँध टूट जाता है। यह सिर्फ राज्य का दर्जा पाने की माँग नहीं है बल्कि यह आत्म-नियंत्रण, पहचान और न्याय पाने की जद्दोजहद है।

लद्दाख की जनता यह चाहती है कि उनके अधिकारों को संवैधानिक गारंटी मिले, उनके संसाधनों की सुरक्षा हो और निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो। यदि सरकार ने पहले जो आश्वासन दिए थे, उन्हें समयबद्ध और स्पष्ट तरीके से लागू कर दिया जाता तो शायद स्थिति यहाँ तक न पहुँचती। आज जरूरत इस बात की है कि सरकार संवाद और विश्वास बहाली की दिशा में ठोस कदम उठाए। संवैधानिक गारंटी देकर, स्थानीय प्रतिनिधित्व को सशक्त बनाकर, रोजगार और शिक्षा की योजनाओं को मजबूती देकर ही इस असंतोष को शांत किया जा सकता है। लद्दाख की जनता को यह विश्वास दिलाना होगा कि उनके हित सुरक्षित हैं, तभी हिंसा और आक्रोश का माहौल शांति और भरोसे में बदला जा सकेगा। लोगों में यह विश्वास पैदा करना जरूरी है कि फैसलों में लद्दाख के हितों का ख्याल रखा जाएगा। इसका सबसे बेहतर तरीका है पारदर्शिता।

विदेशी निर्भरता घटाइए, राष्ट्रीय सफलता बढ़ेगी

कमलेश पांडे

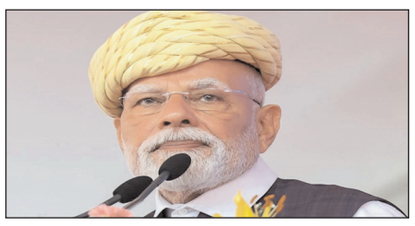

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत दिनों गुजरात के भावनगर में कहा है कि भारत का सबसे बड़ा दुश्मन अन्य देशों पर निर्भरता है और जितनी ज्यादा विदेशी निर्भरता होगी, उतनी ज्यादा राष्ट्रीय विफलता बढ़ेगी। उन्होंने यहां तक कहा कि 140 करोड़ भारतीयों का भविष्य बाहरी ताकतों पर नहीं छोड़ा जा सकता और इसके लिए भारत को आत्मनिर्भर बनना ही होगा। आत्मनिर्भरता देश के सभी समस्याओं का समाधान है और यही राष्ट्रीय सौभाग्य और विकास की कुंजी है। इससे साफ है कि 2025 की अंतिम तिमाही से पहले चले अंतरराष्ट्रीय दांवपेचों के दृष्टिगत प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को आगाह कर दिया है कि जितनी ज्यादा विदेशी निर्भरता होगी, उतनी ज्यादा राष्ट्रीय विफलता होगी। ऐसा कहकर उन्होंने एक तीर से दो निशाने साधने की कोशिश की है। एक तरफ तो उन्होंने चीन से आयात पर और अमेरिका को निर्यात पर या ऐसे ही अन्य देशों पर निर्भरता समाप्त करने के लिए सोच और साधन दोनों बदलने का आह्वान किया है।

वहीं, दूसरी तरह विदेशी बहु समझी जाने वाली कांग्रेस नेत्री श्रीमती सोनिया गांधी और उनके पुत्र-पुत्रियों राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के विदेशी तिकड़मों से भी सावधान रहने के इशारे किए हैं, क्योंकिः उनका मुस्लिम प्रेम, चीन, पाकिस्तान, अमेरिका प्रेम और राष्ट्रविरोधी ताकतों को सियासी संरक्षण देश के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ है। चूंकि राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और सोनिया गांधी-प्रियंका गांधी क्रमशः राज्यसभा व लोकसभा के सांसद हैं। इसलिए इनकी हर कोशिशों पर देश-दुनिया की नजर रहती है। प्रधानमंत्री मोदी की मानें तो किसी भी मामले में विदेशी निर्भरता से राष्ट्रीय स्वाभिमान को नुकसान पहुंचता है। जब देश अपनी जरूरतों के लिए बाहरी देशों पर निर्भर होता है, तो उसका स्वाभिमान कमजोर पड़ता है। देश का विकास और फैसले बाहरी ताकतों के प्रभाव में आ जाते हैं, जो राष्ट्रीय हितों के खिलाफ हो सकते हैं। वहीं विदेशी निर्भरता से आर्थिक नुकसान और अस्थिरता पैदा होती है। विदेशी निर्भरता से देश की आर्थिक सुरक्षा कमजोर होती है। वैश्विक बाजारों या विदेशी साधनों पर निर्भरता से आर्थिक संकट आने पर देश प्रभावित होता है, जिससे विकास रुक सकता है। विदेशी निर्भरता से विकास भी बाधित होता है। आत्मनिर्भरता की कमी के कारण देश अपने संसाधनों का पूरा उपयोग नहीं कर पाता और उद्योग, तकनीक, और नौकरियों का विकास रुक जाता है। इससे राष्ट्रीय विकास की गति धीमी हो जाती है। इसके अलावा, विदेशी निर्भरता से रणनीतिक खतरा भी बढ़ता है। सुरक्षा और महत्वपूर्ण संसाधनों में विदेशी निर्भरता से राष्ट्रीय सुरक्षा कमजोर होती है। आपातकाल में या भू-राजनीतिक तनाव में यह बड़ी समस्या बन सकती है। यही वजह है कि भारत अपनी आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए कई तरीकों और नीतियों पर काम कर रहा है। एक ओर भारत स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा दे रहा है, जिसके तहत घरेलू उत्पादन पर जोर देने से जहां आयात कम होगा, वहीं देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। इसके लिए 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को प्रोत्साहित करना जरूरी है। वहीं, दूसरी ओर भारत स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा दे रहा है। इसके तहत नई तकनीकों और नवाचार को अपनाकर भारत को तकनीकी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की मुहिम तेज की जा रही है, जिससे रोजगार निर्माण और आर्थिक विकास भी होगा।

वहीं, सरकार विज्ञान और प्रौद्योगिकी को भी मजबूत करने पर फोकस कर रही है। इससे अनुसंधान-प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निवेश से भारत अपनी तकनीकी निर्भरता घटा रहा है। वहीं कौशल विकास के द्वारा युवाओं को कौशल शिक्षा देकर उन्हें रोजगार के साथ-साथ उद्यमिता के लिए तैयार करने की कोशिशें जारी हैं। वहीं, कृषि और ग्रामोद्योगों का सशक्तिकरण किया जा रहा है। इससे किसानों की आय बढ़ाने, उर्वरकों और कृषि उपकरणों का स्थानीय उत्पादन बढ़ाने की पहल जारी है। इसके अलावा डिजिटल स्वाधीनता के तहत स्वदेशी डिजिटल प्लेटफॉर्म और तकनीकों के विकास एवं उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं, ऊर्जा स्वतंत्रता के तहत नवीनीकरणीय ऊर्जा, जैसे- सौर, पवन, और हाइड्रोजन ऊर्जा पर निवेश कर ऊर्जा आत्मनिर्भरता हासिल करने की मुहिम जारी है। वहीं, सरकारी योजनाओं के तहत पीएम स्वनिधि योजना, जैसे- छोटे व्यवसायों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। देखा जाए तो प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस अभियान को 2020 में शुरू किया था और इसे 2047 तक एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लक्ष्य से जोड़ा गया है। इसके तहत रक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, और कृषि जैसे सभी प्रमुख क्षेत्र आत्मनिर्भरता के लिए काम कर रहे हैं। इस प्रकार भारत की आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए व्यापक आर्थिक, तकनीकी, सामाजिक और नीति स्तर पर काम करना होगा जो देश की समग्र ताकत और स्थिरता को बढ़ाएगा।

जहां तक विदेशी निर्भरता कम करने के मुख्य उपाय की बात है तो रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने की कोशिशें तेज हैं। इसके तहत रक्षा उपकरणों, हथियारों और तकनीकी संसाधनों का अधिक से अधिक स्थानीय उत्पादन करने की पहल तेज है। भारत ने रक्षा क्षेत्र में 5वीं सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची जारी की है, जिसमें 3,000 से अधिक वस्तुओं का घरेलू उत्पादन सुनिश्चित किया गया है। इससे विदेशों से रक्षा उपकरणों की निर्भरता कम होती है और राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होती है। वहीं, स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके दृष्टिगत 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत घरेलू उद्योगों और एमएसएमइज (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) को समर्थन देने को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि आयात की जगह घरेलू उत्पादन बढ़े। वहीं, नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके मद्देनजर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), निजी कंपनियों, स्टार्टअप्स और शिक्षाविदों के बीच सहयोग बढ़ाकर तकनीकी आत्मनिर्भरता हासिल करने की मुहिम तेज की गई है। वहीं, औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का सुदृढ़ीकरण करते हुए रक्षा औद्योगिक गलियारों की स्थापना, निवेश और प्रोत्साहन से स्वदेशी उत्पादन को तेजी देने की पहल परवान चढ़ाई जा चुकी है। वहीं, निर्यात और व्यापार सुधार के तहत बंदरगाहों और व्यापार प्रक्रियाओं को सरल और सक्षम बनाने की मुहिम तेज है, ताकि विदेशी निर्भरता कम होकर स्वदेशी व्यापार बढ़े।

जातक-कथा

इसिसंग का प्रलोभन

गंगा के किनारे एक तपस्वी रहता था । एक दिन जब वह नदी के स्नान कर बाहर आया तो उसी स्थान पर जाकर एक हिरणी ने पानी पिया जिससे वह तत्काल गर्भवती हो गई। संयासी ने जब हिरणी की अवस्था को देखा तो उसे यह ज्ञात हुआ कि वह उसके बच्चे की माँ बनने वाली थी। कुछ ही दिनों के बाद हिरणी ने एक बच्चे को जन्म दिया। तपस्वी ने उसका नाम इसिसंग रखा। वह संयासी पुत्र भी पिता के संरक्षण में एक महान् तपस्वी बनने लगा। कुछ वर्षों के बाद जब तपस्वी ने अपना अंतकाल निकट पाया तो उसने इसिसंग को अंतिम उपदेश हेतु बुलाया और उसने उसे नारी के मोह-पाश से मुक्त रहने का परामर्श दिया। फिर उसने हमेशा के लिए अपनी आँखें मूंद ली। कालान्तर में इसिसंग एक महान् संयासी के रुप में मान्य होने लगा जिससे शक्र को देव-लोक हिलता प्रतीत हुआ। अतः इसिसंग को संयासी पथ से भ्रष्ट करने के लिए शक्र ने अलम्बुसा नामक एक अति-सुंदर अप्सरा को पृथ्वी पर भेजा। उस दिन इसिसंग जब गंगा-स्नान कर नदी से बाहर निकल ही रहा था कि उसकी दृष्टि अलम्बुसा पर पड़ी जो ठीक उसके सामने खड़ी था। उसके रुप-सौन्दर्य के जादू से इसिसंग अपने होश खो बैठा। अलम्बुसा ने तब उसे इशारों से खींचती उसकी कुटिया में ले गई। तभी से वह तीन वर्षों तक अलम्बुसा के आलिंगन में बंधा रहा। एक दिन जब उसे होश आया तब उसने जाना कि उसने वर्षों की साधनाओं का फल खो दिया था। उसका संयास-व्रत भंग हो चुका था। वह फूट-फूट कर रोने लगा। अलम्बुसा को उसकी दशा पर बहुत दया आई। उसने इसिसंग से माफी मांगी। इसिसंग ने उस पर कोई दोष आरोपित नहीं किया, क्योंकि वह जानता था कि भूल तो उसकी अपनी ही थी। अलम्बुसा जब देव-लोक पहुँची तो शक्र ने उसे उसकी सफलता के लिए बधाई दी और कोई भी वर मांगने को कहा। तब खिन्न अलम्बुसा ने देवराज से यह वर मांगा कि वे उसे फिर किसी ऐसे कार्य में न लगाये जिससे किसी तपस्वी का शील भंग हो।

कहानी

कथामुख

दक्षिण के किसी जनपद में एक नगर था--महिलारोप्य। वहाँ का राजा अमरशक्ति बड़ा ही पराक्रमी तथा उदार था। संपूर्ण कलाओं में पारंगत राजा अमरशक्ति के तीन पुत्र थे--बहुशक्ति, उग्रशक्ति तथा अनंतशक्ति। राजा स्वयं जितना ही नीतिज्ञ, विद्वान, गुणी और कलाओं में पारंगत था, दुर्भाग्य से उसके तीनों पुत्र उतने ही उद्दंड, अज्ञानी और दुर्विनीत थे। अपने पुत्रों की मूर्खता और अज्ञान से चिंतित राजा ने एक दिन अपने मंत्रियों से कहा, "ऐसे मूर्ख और अविवेकी पुत्रों से अच्छा तो निस्संतान रहना होता। पुत्रों के मरण से भी इतनी पीड़ा नहीं होती, जितनी मूर्ख पुत्र से होती है। मर जाने पर तो पुत्र एक ही बार दुःख देता है, किंतु ऐसे पुत्र जीवन-भर अभिशाप की तरह पीड़ा तथा अपमान का कारण बनते हैं। हमारे राज्य में तो हजारों विद्वान, कलाकार एवं नीतिविशारद महापंडित रहते हैं। कोई ऐसा उपाय करो कि ये निकम्मे राजपुत्र शिक्षित होकर विवेक और ज्ञान की ओर बढ़ें।" मंत्री विचार-विमर्श करने लगे। अंत में मंत्री सुमति ने कहा, 'ह्न महाराज, व्यक्ति का जीवन-काल तो बहुत ही अनिश्चित और छोटा होता है। हमारे राजपुत्र अब बड़े हो चुके हैं। विधिवत व्याकरण एवं शब्दशास्त्र का अध्ययन आरंभ करेंगे तो बहुत दिन लग जाएँगे। इनके लिए तो यही उचित होगा कि इनको किसी संक्षिप्त शास्त्र के आधार पर शिक्षा दी जाए, जिसमें सार-सार ग्रहण करके निस्सार को छोड़ दिया गया हो; जैसे हंस दूध तो ग्रहण कर लेता है, पानी को छोड़ देता है। ऐसे एक महापंडित विष्णु शर्मा आपके राज्य में ही रहते हैं। सभी शास्त्रों में पारंगत विष्णु शर्मा की छात्रों में बड़ी प्रतिष्ठा है। आप तो राजपुत्रों को शिक्षा के लिए उनके हाथों ही सौंप दीजिए।"

राजा अमरशक्ति ने यही किया। उन्होंने महापंडित विष्णु शर्मा का आदर-सत्कार करने के बाद विनय के साथ अनुरोध किया, आर्य, आप मेरे पुत्रों पर इतनी कृपा कीजिए कि इन्हें अर्थशास्त्र का ज्ञान हो जाए। मैं आपको दक्षिणा में सौ गाँव प्रदान करूँगा।" आचार्य विष्णु शर्मा ने निर्भीक स्वर में कहा, मैं विद्या का विक्रय नहीं करता, देव! मुझे सौ गाँव लेकर अपनी विद्या बेचनी नहीं है। किंतु मैं वचन देता हूँ कि छह मास में ही आपके पुत्रों को नीतियों में पारंगत कर दूँगा। यदि न कर सकूँ तो ईश्वर मुझे विद्या से शून्य कर दे! महापंडित की यह विकट प्रतिज्ञा सुनकर सभी स्तब्ध रह गए। राजा अमरशक्ति ने मंत्रियों के साथ विष्णु शर्मा की पूजा-अभ्यर्थना की और तीनों राजपुत्रों को उनके हाथ सौंप दिया। राजपुत्रों को लेकर विष्णु शर्मा अपने आवास पर पहुँचे। अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार छह मास में ही उन्हें अर्थनीति में निपुण करने के लिए एक अत्यंत रोचक ग्रंथ की रचना की। उसमें पाँच तंत्र थे--मित्रभेद, मित्रसंप्राप्ति (मित्रलाभ), काकोलूकीयम, लब्धप्रणाशम तथा अपरीक्षितकारकम। इसी कारण उस ग्रंथ का नाम 'पंचतंत्र' प्रसिद्ध हो गया।

कैसे-कैसे लोग

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

(व्यंग्य)

सबसे बड़ी मुश्किल तब होती है जब कोई समझदार व्यक्ति हमसे सवाल पूछता है। "अरे! आप क्या सोचते हैं?" हम चुप रहते हैं। क्या बताएं? कि हम कुछ नहीं सोचते? कि हमारी सोच तो सिर्फ. इस बात तक सीमित है कि आज शाम को घर के लिए कौन-सी सब्जी खरीदनी है?

आजकल समझदार लोगों की बड़ी मांग है। हर जगह इन्हीं की पूछ-परख हो रही है। पहले सिर्फ. अखबारों में इनकी गिनती होती थी, कि "फलां काम के लिए फलां समझदार व्यक्ति ने हामी भर दी।" अब तो सोशल मीडिया के हर कोने में ये अपनी समझदारी का झंडा उठाए घूमते हैं।

सुबह-सुबह आप फेसबुक खोलिए, कोई न कोई ज्ञानी महात्मा मिल जाएगा जो बताएगा कि "जीवन को ऐसे जियो।" दोपहर में वॉट्सऐप पर एक संदेश आएगा जिसमें लिखा होगा, "सच्चा सुख सिर्फ.इसमें है।" शाम को आप टीवी खोलेंगे तो कोई विशेषज्ञ आपको आर्थिक समझदारी का ज्ञान देगा, कि "कैसे अपनी गाढ़ी कमाई को बढ़ाएं।" और हम लोग हैं, जिन्हें कोई समझदार नहीं मानता। हम जो सुबह उठकर, बिना किसी ज्ञान के, बस उठ जाते हैं। हम जो चाय पीते हुए, यह नहीं सोचते कि इससे हमारी आध्यात्मिक उन्नति हो रही है या नहीं। हम जो दफ्तर जाते हुए सिर्फ. यह सोचते हैं कि आज काम कैसे पूरा होगा, न कि यह कि "काम ही पूजा है" इस सिद्धांत को कैसे जीवन में उतारें।

समझदार लोग जब मिलते हैं तो उनकी बातचीत भी समझदारी से भरी होती है। एक कहेगा, "देखो भाई, आजकल यह जो सब हो रहा है, यह सब राजनीति है।" दूसरा कहेगा, "अरे, आप नहीं समझते, यह तो आर्थिक चक्र है।" तीसरा अपनी बात रखेगा, "ये सब मानव स्वभाव की देन है।" और हम सिर्फ. सिर हिलाते रहते हैं। हमें यह भी नहीं पता होता कि 'मानव स्वभाव' में क्या-क्या आता है। शायद सुबह-सुबह उठकर नींद पूरी न होने पर चिड़चिड़ाना भी इसी में आता होगा। सबसे बड़ी मुश्किल तब होती है

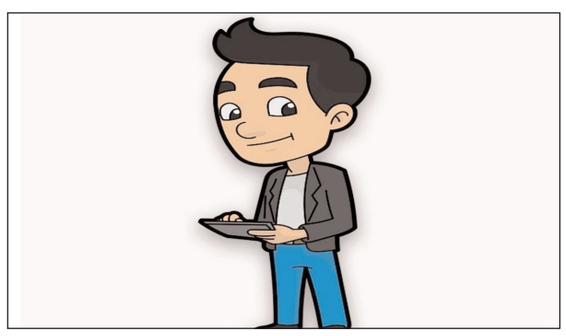

जब कोई समझदार व्यक्ति हमसे सवाल पूछता है। "अरे! आप क्या सोचते हैं?" हम चुप रहते हैं। क्या बताएं? कि हम कुछ नहीं सोचते? कि हमारी सोच तो सिर्फ. इस बात तक सीमित है कि आज शाम को घर के लिए कौन-सी सब्जी खरीदनी है? ये समझदार लोग ही हैं जो हर समस्या का समाधान जानते हैं। अगर देश में महंगाई बढ़ रही है, तो उनके पास उसका कारण भी है और इलाज भी। अगर बेरोजगारी है, तो वे बताते हैं कि "बस, यह सब मानसिकता की बात है।" उनके हिसाब से अगर हम अपनी मानसिकता बदल लें तो अगले दिन ही हमें नौकरी मिल जाएगी। हम जैसे नासमझ लोग इसी उलझन में जीते हैं कि "काश, हम भी समझदार होते!" लेकिन फिर सोचते हैं, अगर हम भी समझदार हो गए तो हम भी हर बात पर ज्ञान देने लगेंगे। हमारी भी ज़िंदगी में जटिलता आ जाएगी। हमारी सोच भी आर्थिक चक्र और मानव स्वभाव के चक्र में फंसकर रह जाएगी।

तो चलिए, हम जैसे नासमझ लोग नासमझ ही ठीक हैं। न किसी को ज्ञान देना है, न किसी से ज्ञान लेना है। बस सुबह उठकर चाय पीनी है, काम पर जाना है, शाम को घर लौटकर परिवार के साथ बैठना है। हम सोचते हैं कि इससे ज्यादा और क्या चाहिए? लेकिन शायद यही हमारी नासमझी का सबसे बड़ा सबूत है। क्योंकि समझदार लोग कहते हैं कि "जिंदगी का असली मकसद तो जीवन को समझना है।" और हम सिर्फ उसे जी रहे हैं।

दूल्हा बने जनक नंदन को देखने उमड़ी हजारो की भीड़

भोगांव में धूमधाम से निकाली गई भगवान श्रीराम की बरात

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/भोगांव। रामलीला समिति कें तत्वाधान मे मयार्दा पुरूषोत्तम भगवान राम की बारात दर्जनो संजीव एंव निर्जीव झाकिंयो एंव बैण्डवाजो के साथ शुक्रवार की रात नगर मे निकाली गई जनकपुरी मे पहुचने पर भगवान राम एंव मा सीता का विवाह सम्पन्न हुआ। भगवान राम की अनुपम छटा को निहारने के लिये नर नारियो का हुजूम उमड पडा। शुक्रवार की रात्रि श्री रामलीला समिति के अध्यक्ष धनवेश यादव के सयोजकत्व मे नगर के पुरानी आलू मण्डी के समीप मयार्दा पुरूषोत्तम भगवान राम की बारात का शुभारम्भ पूर्व मंत्री एंव बिधायक रामनरेश अग्निहोत्री ने भगवान राम की आरती उतारकर बारात का शुभारम्भ किया। राम बारात मे गुरू बरिष्ठ साथ मे लक्ष्मण सवसे पीछे बडे ही आकर्षक बिमान पर बिराजमान थे उनके आगे, भरत शत्रुध्न, मां दुर्गा भगवान गणेष, शंकर भगवान विमान पर शोभायमान थे। भगवान राम की बारात मे मां काली का अखाडा, हनुमान जी का अखाडा एंव नृत्यांगनाओ का नृत्य युवाओ को अपनी तरफ आकर्षित कर रहे थें तथा बाहर से आये मश्हूर बैण्ड अपनी कर्णप्रिय ध्वनि बिखेर रहें थे राम बारात मे दो दर्जन से अधिक झाकिंया शामिल थी जो कि लोगो का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित कर रही थी। राम बारात नगर के पुरानी आलू मण्डी से शुरू होकर, बडा बाजार, सब्जी मण्डी होते हुये जब दुबे मार्केट के समीप पहुची तो बहां पर मौजूद उपजिलाधिकारी संध्या शर्मा, चेयरमैन नेहा तिवारी, प्रतिनिधि आशीष तिवारी कृष्णदत्त दुबे, मुकेश अग्निहोत्री, प्रदीप दत्त दुबे, सुनील दत्त दुबे,नृपेन्द्र शर्मा, सुरेन्द्र शुक्ला, सुरेन्द्र शंखवार आदि लोगो ने मयार्दा पुरूषोत्तम भगवान राम की आरती उतारी तथा समिति के अध्यक्ष धनवेश यादव, बाबूराम पाल, गिरंजाशंकर वर्मा आदि लोगो ने मुख्य अतिथि के अलावा पूर्व चेयरमैन बदरून निशा बेगम, इमरान जावेद एंव पत्रकारो को पगडी एंव शाल उडाकर सम्मानित किया। राम बारात नगर के मुख्य मार्ग से भ्रमण करती हुई भोगांव मैनपुरी मार्ग पर स्थित शिव बाटिका पर पहुची तो बहां पर पहलें से मौजूद समाजवादी लोहिया बाहिनी के राष्ट्रीय सचिव योगेश कठेरिया, गौरव कठेरिया, अशोक कठेरिया, श्याम सिंह कठेरिया, सुघर सिंह कठेरिया आदि ने भगवान राम की आरती उतारकर प्रसाद वितरित कराया

अहंकार से जीवन का नाश तयः भारती

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/भोगांव। नगर के रामचन्द्र जी मन्दिर मे चल रही श्रीमद् भागवत कथा के छठबे दिन सरस कथा बाचक कु0 भारती ने रूकमणी विवाह एंव गोपी उद्धव संवाद पर विस्तृत जानकारी देते हुये कहा कि अहंकार ही जीव का सत्यानाश कर देता है भले ही बह कितना धर्म कर्म करने बाला क्यो न हो। उन्होने कहा कि जब जब धर्म पर चोट होती है तब तब भगवान किसी न किसी रूप मे अवतार लेकर अधर्म का नाश कर देते है। उन्होने कहा कि संस्कारी संतान के लिये गर्भवती होने पर महिलाओ को गीता रामायण आदि ग्रन्थो को पढना चाहिये, गर्भावस्था से ही शिशु के जीवन पर प्रभाव पडना शुरू हो जाता है। उन्होने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओ का बर्णन करते हुये कहा कि बाल योगी श्रीकृष्ण ने अनेको लीलाये कर राक्षसो का बध किया था उन्होने कहा कि भगवान हर जगह कण कण मे विद्यमान है बस आवश्यकता श्रद्धा भाव की है जिसके अन्दर जितनी ज्यादा श्रद्धा होगी उसको भगवान के दर्शन जल्दी होगे, पापियो से भगवान हमेशा दूरी बनाकर रहते है और पापियो का विनाश करते है। इस मौके पर गिरन्द सिंह चौहान, सन्जू चौहान, भोलू चौहान, सागर चौहान, ओउमप्रकाश सिंह, संजय शर्मा सनातनी, सोनू शर्मा, राजेश शाक्य, मोनू शर्मा, प्रदीप श्रीवास्तव, तारा देवी, रमेश चौहान आदि मौजूद थे।

छोटी खबरें

बड़े भाई ने किया था जमीन के लालच में सुखवीर का कत्ल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। तीन दिन पूर्व घर के पीछे बबूल के पेड़ पर रस्सी के फंदे से लटके मिले युवक की हत्या उसके ही बड़े भाई ने संपत्ति के लालच में की थी। मृतक की पत्नी ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद शुक्रवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। ज्ञात हो कि कुर्रा थाना क्षेत्र के नगला मचे निवासी 30 वर्षीय सुखवीर सिंह का शव मंगलवार की शाम घर के पीछे खड़े बबूल के पेड़ पर रस्सी के फंदे से लटका मिला था। आत्महत्या की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृत्यु का कारण जानने के लिए शव का पोस्टमार्टम कराया। मृतक के परिजनों ने बताया था कि मंगलवार सुबह बड़े भाई रामब्रेश उर्फ बबलू से दीवार बनाने को लेकर विवाद होने के बाद सुखवीर का शव फंदे पर लटका मिला था। घटना का मुकदमा मृतक की पत्नी ने दर्ज कराया था। पुलिस ने जब गहनता से जांच की तो हत्या किए जाने की बात सामने आई। एएसपी ग्रामीण राहुल मिठास ने बताया कि पुलिस ने शुक्रवार को जब रामब्रेश उर्फ बबलू को गिरफ्तार कर उससे कड़ाई से पूछताछ की तो उसने हत्या करने की बात स्वीकार ली। एएसपी ने बताया कि उसने ही संपत्ति के विवाद में गला घोंटकर सुखवीर की हत्या कर दी और शव को घर के पीछे बबूल के पेड़ पर लटका दिया। वह अपने छोटे भाई की संपत्ति हड़पना चाहता था। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

खेत देखने गए किसान की सर्पदंश से मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता बिछवां/मैनपुरी। थाना क्षेत्र के गांव में शुक्रवार की शाम को एक किसान खेतों की तरफ गया जहां उसे सर्प ने डंस लिया और उसकी तबीयत बिगड़ गई उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम कराया है। थाना क्षेत्र के गांव जसरऊ निवासी यदुनाथ पुत्र केहरी लाल उम्र 47 वर्ष शुक्रवार की शाम को खेतों पर देखने व शौच क्रिया निवृत्ति के लिए गया था। वहां उसे विषैली जीव जंतु सर्प ने डंस लिया। किसान खेतों पर ही गिर गया। परिजनों से इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हर भिजवा दिया।

विधायक ने भाजपाईयो संग गिनाएं जीएसटी घटने के फायदे

मोर्निंग सिटी संवाददाता मैनपुरी/भोगांव। क्षेत्रीय विधायक रामनरेश अग्निहोत्री ने शुक्रवार की सांय चेयरमैन नेहा तिवारी एंव प्रतिनिधि आशीष तिवारी एंव भाजपा कार्यकर्ताओ के साथ जीएसटी की दरों में हुए बदलाव को लेकर मुख्य बाजार मे दुकानदाराकों को जीएसटी की दरों में हुए बदलाव के फायदे बताए विधायक ने बताया कि दरों में परिवर्तन से सर्व समाज को फायदा पहुंचेगा। शुक्रवार की सांय विधायक रामनरेश अग्निहोत्री ने मुख्य बाजार मे दुकानदारो से मुलाकात कर ह्य घटी जीएसटी मिला उपहारह्यधन्यवाद मोदी सरकार के स्टीकर लगाये। उन्होने दुकानदारो से कहा कि जीएसटी की दरे कम होने से मकान का कर्ज, मोटरसाइकिल, कार ,घरेलू सामान की कई चीजों पर जीएसटी कम होने से सभी को फायदा पहुंचेगा स जीएसटी अब ज्यादा लाभदायक हो गया है।अब लोगो को महंगाई से निजात मिलेगी। इस मौके पर नगर के दुकानदार नलिन कुमार जैन, शुद्वातम जैन आदि ने विधायक रामनरेश अग्निहोत्री, चेयरमैन नेहा तिवारी, प्रतिनिधि आशीष तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष अराविन्द तोमर आदि का स्वागत किया। इस मौके पर आशू सक्सेना, अस्तेन्द्र गुप्ता, मुकेश अग्निहोत्री, सुनील राजपूत, प्रवेश चन्देल, पुनीत चौहान, सुरेन्द्र शखवार आदि मौजूद थे।

घर मे सो रही महिला को दबंगो ने पीटा

मोर्निंग सिटी संवाददाता मैनपुरी/भोगांव। घर मे सो रही महिला को आरोपियो ने लाठी डन्डो से मारपीट कर लहुलुहान कर दिया। घटना की रिपोर्ट पुलिस ने दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के ग्राम सूजापुर भदौरा निवासी रागिनी पत्नी मोहन अपने मायके मे आई हुई थी शुक्रवार की रात्रि मे अपने बच्चे के साथ सो रही थी तभी रात्रि लगभग एक बजे उसके गांव का ही अमन पुत्र राजेन्द्र सिंह एंव जनपद फिरोजाबाद थाना सिरसागंज क्षेत्र कें ग्राम नगला डाडे निवासी राहुल पुत्र रामौतार उसके घर मे घुस आये और गाली गलौत करते हुये मारपीट कर दी।

लोकतंत्र में मनमानी करने का किसी को अधिकार नहीं

आई लव मोहम्मद के नाम पर बरेली में किया माहौल खराब

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में आवाज उठाना सभी का अधिकार है। लेकिन मनमानी करने का किसी को अधिकार नहीं है। आई लव मोहम्मद के नाम पर बरेली में साजिशन उपद्रव कराया गया है। विपक्ष बरेली के नाम पर राजनीति कर रहा है। पर्यटन मंत्री शनिवार को ट्रांजिस्ट हॉस्टल में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आई लव मोहम्मद पर बरेली में कोई केस दर्ज नहीं हुआ है। आई लव मोहम्मद पर किसी की गिरफ्तारी भी नहीं हुई है। बरेली में एक साजिश के तहत माहौल खराब करने की कोशिश की गई है। पुलिस ने समय रहते स्थिति को नियंत्रित कर लिया है। माहौल खराब करने वालों को चिन्हित किया जा रहा है। प्रदेश की शांति व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है। कानून का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी निरोधात्मक कार्रवाई की जाएगी। सत्ता में जबरन आने वाले लोग बवाल करवा रहे हैं। बरेली के मामले में विपक्ष केवल राजनीति कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार जीरो टोलरेंस की नीति पर काम कर रही है। अपराध नियंत्रित करने के लिए अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है। हर वंचित इलाके में योजनाएं बनाकर विकास कार्य कराए जा रहे हैं। सरकार की उपलब्धियों से बौखलाया विपक्ष सरकार पर आरोप लगाने में जुटा हुआ है। लेकिन सरकार दबाव में आने वाली नहीं है। देश और प्रदेश के लोग भाजपा सरकार की नीतियों को पसंद कर रहे हैं।

भाईचारा खराब होने वाला काम कोई भी न करें

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/भोगांव। थाना कोतवाली मे आयोजित शान्ती कमेटी की बैठक थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमे आगामी होने बाले त्यौहारो को शान्तिपूर्वक एंव आपसी प्रेमभाव से मनाने की अपील की। शनिवार को सांय थाना कोतवाली मे आयोजित बैठक मे थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार पाण्डेय ने कहा कि यहां के लोगो ने हमेशा एकता और भाईचारे के एक दूसरे के त्यौहारो को मनाया है। और एक दूसरे के धर्म का सम्मान करते है। उन्होने कहा कि कोई भी ऐसा काम न करे जिससे आपसी भाईचारा मजबूत को खतरा पैदा हो। उन्होने विगत दिवस बरेली मे हुई घटना मे बारे मे कहा कि कोई भी अपने सोशल मीडिया अकाउण्ट एंव अन्य स्त्रोतो से समाज के धर्म एंव लोगो पर गलत बयानबाजी न करे पुलिस सभी के अकाउण्ट को चौक करती है ऐसा करने बालो पर कडी कारवाही की जायेगी। इस मौके पर अस्तेन्द्र गुप्ता, बदन सिंह मस्ताना, अहमद अली, नितिन उमेश, शकील मिर्जा, सभासद शकूर राना, कलीमुद्दीन उर्फ शेखू, हाफिज रिजवान, रोहनलाल राजपूत आदि मौजूद थे।

एक दिन की पुलिस इंस्पेक्टर बनीं मेधावी छात्रा इन्द्रा यादव

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/बेवर। मिशन शक्ति फेज-05 अभियान के अंतर्गत एक मेधावी छात्रा को प्रतीकात्मक रूप से थाना प्रभारी (एसएचओ) का दायित्व सौंपा गया। मौके पर पहुंचे जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक द्वारा छात्रा का पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह एवं महिला हेल्पडेस्क कर्मी विचित्रा,अंजली,संगीता सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

अमर शहीद इंटर कॉलेज की कक्षा 11की छात्रा इंद्रा यादव ने थाना प्रभारी का कार्यभार संभालते हुए पुलिस कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की और महिला सुरक्षा तथा कानून-व्यवस्था से जुड़े विषयों पर अपने विचार साझा किए। और थाने पर आये फरियादियों की समस्याओ/शिकायतों को सुनकर निस्तारण हेतु संबंधित को निर्देशित किया। पुलिस विभाग द्वारा यह पहल छात्राओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और समाज में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की गई है। जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि महिला शक्ति बच्चियों और देवियों का कार्यक्रम है। महिलाओं की सशक्त बनाए जाने हेतु हर गांव में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जनपद में महिला अपराध से संबंधित कहीं भी अगर कोई समस्या है तो प्रशासन पूरी तरह तैयार है उनका त्वरित निस्तारण किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक गणेश कुमार साहा ने महिला अपराध, साइबर क्राइम आदि के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। इसके साथ ही जय प्रकाश नारायण बालिका विद्यालय किशनपुर गढ़िया की छात्रा आल्या कुशवाह को विद्यालय में विशेष सहयोग करने एवं, कस्बा निवासी जनप्रतिनिधि प्रज्ञा सेंगर को मिशन शक्ति के तहत जागरूकता अभियान में विशेष सहयोग किए जाने को लेकर सम्मानित किया। इस मौके पर तहसीलदार गौरव अग्रवाल, नायब तहसीलदार अजय यादव, प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह, राजस्व निरीक्षक रामप्रसाद, अतर सिंह, लेखपाल राजकपूर, दीपक, शिवराज, अनिल, असित, नवनीत मौर्या, उपनिरीक्षक सुखवीर सिंह, हरिभान सिंह, सूरज सिंह, श्रीकृष्ण समेत नगर के संभ्रांत लोग मौजूद रहे।

महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधो में सख्ती की जाएं

एक दिन की थानाध्यक्ष बनीं डीपीआईएस की छात्रा सृष्टि

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। मिशन शक्ति अभियान के तहत शासन महिलाओं व छात्राओं में विशेष अभियान चल रहा है। शनिवार को थाना दिवस पर दिल्ली पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल की इंटर की छात्रा कुमारी सृष्टि को थानाध्यक्ष बनाया गया। प्रभारी निरीक्षक ललित भाटी छात्रा को रिसीव करने विद्यालय पहुंचे। सृष्टि को थाना दिवस में थानाध्यक्ष की कुर्सी पर बैठाया गया। जहां थाना दिवस पर एसडीएम गोपाल शर्मा के साथ उन्होंने जनता की समस्याओं को सुना। उन्होंने जनता की समस्याओं को सुनकर निराकरण के लिये सम्बंधित को आदेश दिए। थानाध्यक्ष सृष्टि ने थाने में अभिलेखों के रखरखाव, अपराध रजिस्टर, पुलिसिंग के नियमों का अवलोकन किया।

उन्होंने कहाकि महिलाओं के प्रति अपराध होने पर सख्ती की जाये। पुलिस का दायित्व है कि छात्राओं को स्कूल आने जाने पर सुरक्षा का अहसास हो। छात्राएं किसी समस्या पर 112, 1076 जैसे हेल्पलाइन मिलाएं तत्काल पुलिस पहुंचेगीं।

अधिवक्ता कटारिया के प्रयास से सिरसागंज मार्ग पर बस सेवा शुरू

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। पिछले कई बर्षो से मैनपुरी से सिरसागंज रुट पर रोडबेज बस सेवा संचालन की मांग पर यूपीएसआरटीसी के उच्चाधिकारियों ने संज्ञान लेते हुए मैनपुरी सिरसागंज मार्ग पर एक रोडवेज बस का संचालन शुक्रवार की सुबह 7 बजे से कर दिया है। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता देवेंद्र सिंह कटारिया मौजूद रहे।

वरिष्ठ अधिवक्ता देवेंद्र सिंह कटारिया ने बस के संचालन के लिए उच्चधिकारियों से मुलाकात की थीं, उनकी कोई सुनवाई न होने पर बस संचालन के संबंध में उन्होंने स्थाई लोक अदालत में केस तक दर्ज कराया। इस रोड पर कोई भी बस का संचालन नहीं होता है वह सिर्फ सुबह एक ट्रेन 9 बजे जाती है और वही ट्रेन वापस आती है, मार्ग पर आवागमन करने वाले बाकी के पूरे दिन वह सिर्फ ऑटो, निजी वाहनों पर निर्भर रहते हैं, बहुत से छात्र, छात्राएं जो की मैनपुरी एवं शिकोहाबाद पढ़ने जाते हैं उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है इस प्रकार से जनहित में टिंडोली निवासी अधिवक्ता देवेंद्र सिंह कटारिया द्वारा मैनपुरी सिरसागंज रोड पर सरकार से एक बस का संचालित किए जाने की मांग की थी, जिस पर सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक संजीव यादव एवं रीजनल मैनेजर इटावा ने उनकी समस्याओं का समाधान करते हुए क्षेत्रवासियों के लिए मैनपुरी से सिरसागंज होते हुए आगरा तक के लिए एक बस का संचालन शुरू करा दिया। यह बस प्रतिदिन सुबह 7 बजे से मैनपुरी रोडवेज बस स्टैंड से चलेगी और 7.30 बजे नगला दौलत पर खड़ी होगी और दोपहर 11.30 बजे आगरा तक पहुंचेगी, वहां से आधा घंटे विश्राम करने के बाद शाम को 3.30 बजे वापस, इसी मार्ग से मैनपुरी के लिए वापस आएगी। शुक्रवार की सुवह 7 बजे बस का संचालन के समय स्टेशन इंचार्ज अनुज दुबे, वरिष्ठ अविक्ता देवेंद्र सिंह कटारिया उपस्थिति थे, एडवोकेट ने सबसे पहला टिकट परिचालक से अपने ग्राम टिन्डोली तक का सफर बस के द्वारा किया, जैसे ही बस ग्राम टिंडोली पर पहुंची वहां पर ग्राम वासियों ने खुशी से चालक, परिचालक का फूलों से स्वागत किया और वहां पर काफी संख्या में उपस्थिति थे। इस प्रकार से मैनपुरी सिरसागंज रोड पर बस का संचालक होने से लगभग 50 से 60 गांव के क्षेत्रवासियों को इस बस का लाभ मिलेगा क्षेत्रवासियों एवं टिंडोली के अधिवक्ता देवेंद्र सिंह कटारिया, धर्मवीर राही समाजसेवी, एडवोकेट शिव कुमार यादव, अमन कठेरिया, नितिम कठेरिया, अक्षय, आकाश, सौरभ चौहान ने समय-समय पर बस संचालन के लिए मांग की गई, उनकी मांग पर ही यह बस का संचालन किया गया, इसके लिए सभी ने संजीव यादव सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, रीजनल मैनेजर का बहुत-बहुत धन्यवाद प्रकट करते हुए उन्हें आभार व्यक्त किया।

स्कूल से निकाले जाने की बजह से अधेड़ शिक्षका ने लगाए आरोप

मैनपुरी के एक स्कूल के एमडी पर अधेड़ शिक्षका ने लगाया दुष्कर्म का आरोप

एमडी को मानसिक रुप से परेशान करने के लिए लगाए गए हैं दुष्कर्म जैसे संगीन आरोप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। अभी वर्तमान समय में जनपद में चल रहे मामले एक स्कूल की पूर्व शिक्षका से स्कूल के प्रबंध निदेशक द्वारा दुष्कर्म मामले की बजह कुछ और ही है। इस आरोप के पीछे की बजह के बारे में जब जानकारी जुटाई गई, तो मैनपुरी शहर के स्कूल के शिक्षका ने स्कूल के प्रबंध निदेशक पर दुष्कर्म का आरोप स्कूल से निकाल दिए जाने के बाद लगाया है। आरोप लगाने वाली शिक्षका स्कूल में अपनी मनमानी करना चाहती थी, वह ज्यादातर मामलों में अपनी चलाती थी, जिसके बजह से उसे निकाल दिया गया, जिसकी बजह से उसने प्रबंध निदेशक पर दुष्कर्म का आरोप लगाने का रास्ता निकाल लिया। ज्ञात हो कि हरियाणा के गुरुग्राम के थाना कालकाजी थाना क्षेत्र की एक अधेड़ शिक्षका शहर के एक स्कूल में बतौर शिक्षक के पद पर जनवरी 2025 से अगस्त 2025 तक तैनात रह चुकी है। स्कूल में शिक्षण कार्य कराने के दौरान उसकी सैलरी 32 हजार 500 रुपए थी, स्कूल के मालिक प्रधानाचार्य ने बताया कि शिक्षका की गलत कारगुजारी के कारण उसे स्कूल से निकाल दिया गया, जिसकी बजह से शिक्षका ने गलत आरोप लगाने में सबको भी पीछे छोड़ दिया।

आरोप लगने से मानसिक रुप परेशान हैं एमडी

विशेष सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार स्कूल से निकाले जाने के बाद अधेड़ महिला शिक्षका ने उनके बेटे स्कूल के प्रबंध निदेशक पर स्कूल की केबिन में दुष्कर्म करने का आरोप लगाया, जबकि यह आरोप गलत और निराधार है। जब से स्कूल के एमडी के ऊपर आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज कराया गया है। तब से ही स्कूल के एमडी मानसिक रुप से परेशान है। जो वर्तमान समय में अस्पताल में भर्ती है। जिनका इलाज चल रहा है।

झूठा आरोप लगाने वाली अधेड़ महिला शिक्षका पर हो कार्रवाई

मैनपुरी शहर के एक स्कूल के प्रबंध निदेशक पर दुष्कर्म का झूठा आरोप लगाने वाली अधेड़ महिला शिक्षका पर कार्रवाई होने की बात अन्य स्कूलों के प्रबंधक सहित प्रधानाचार्य आदि के द्वारा कहीं जा रहीं है। क्यों कि स्कूल से निकाले जाने के बाद शिक्षका के द्वारा यह आरोप लगाकर स्कूल की छबि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

स्कूल की छबि धूमिल करने के लिए रचा षणयत्र

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एक शिक्षक ने नाम न छापने के शर्त पर बताया कि महिला शिक्षका द्वारा लगाए गए आरोप झूठ और बेबुनियाद है। उनके द्वारा स्कूल की छबि धूमिल करने के लिए यह प्रयास किया गया है। जब कि इस प्रकार का कोई मामला ही नहीं है। उनका स्कूल लगातार मैनपुरी में तरक्की कर रहा है। जिसकी बजह से स्कूल को बदनाम करने की साजिश की गई है।

क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी ने होटल एसोशिएशन के पदाधिकारियों से पर्यटन विकास के लिए विचार किए साझा

विश्व पर्यटन दिवस पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

जिले के पर्यटन विकास के लिए नए टूरिस्ट प्वाइंट विकसित किए जाएंगे-अनुपम श्रीवास्तव, आरटीओ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़ । विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव की अध्यक्षता में अलीगढ़ होटल एण्ड रेस्टोरेंट एसोशिएशन के पदाधिकारियों के साथ एक संगोष्ठी का आयोजन होटल धीरज पैलेस में किया गया। गोष्ठी का शुभारंभ विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। आरटीओ अनुपम श्रीवास्तव ने कहा कि हमारा विकास विनाशकारी न हो, हमें सर्वप्रथम इस बात का ध्यान रखना चाहिए। हम सभी की प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि हम जिले के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्या-क्या सहयोग कर सकते हैं। जिले में अचलेश्वर, खेरेश्वर व शेखा झील के अतिरिक्त भी पर्यटन के नए केंद्र विकसित किए जाएं। उन्होंने पर्यटन विभाग द्वारा हाल ही में लागू ह्लबेड एण्ड ब्रेकफास्ट एवं होमस्टे नीति-2022ह्व नीति के उद्देश्य एवं आवश्यकता की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि इससे जहां एक ओर पर्यटन को नई ऊँचाईयां मिलेंगीं, स्थानीय युवाओं व परिवारों को रोजगार उपलब्ध हो सकेगा वहीं दूसरी ओर पर्यटकों को शहरी क्षेत्र के साथ ही दूर-दराज के क्षेत्रों में भी आसानी से गुणवत्तायुक्त हॉस्पैटिलिटी सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने अलीगढ़ के लिए भविष्य की योजनाओं जैसे- अचल सरोवर में वाटर स्पोर्ट्स, लेजर फाउंटेन, शेखा झील के आसपास कॉटेज एवं अलीगढ़ को पर्यटन के मानचित्र पर लाने के लिए स्थानीय स्तर पर जिले भर के पर्यटन स्थलों की बुकलेट तैयार कराए जाने की जानकारी दी। अलीगढ़ होटल एण्ड रेस्टोरेंट एसोशिएशन के चेयरमेन पंकज धीरज ने कहा कि अलीगढ़ के पर्यटन पटल पर आने से अर्थव्यवस्था और सौदर्यीकरण को बढ़ावा मिलेगा । पर्यटन विकास की योजनाओं के धरातल पर क्रियान्वित करने के लिए होटल इंडस्ट्रीज को प्रशासनिक सहयोग-समन्वय, सड़क और यातायत व्यवस्था में सुधार, सिंगल विंडो क्लीयरेंस व्यवस्था लागू करने के साथ ही विभिन्न लाइसेंस और एनओसी प्रक्रिया में सरलीकरण किया जाना आवश्यक हैं।निदेशक इग्नू अजय वर्धन आचार्य ने कहा कि पौराणिक स्थलों- ऋषि विश्वामित्र की तपोस्थली धरणीधर सरोवर, जयगंज का मंगलेश्वर मंदिर, अचलेश्वर, खेरेश्वर, एएमयू, शेखा झील को पाठ्यक्रम में शामिल कराते हुए ताला उद्योग के लिए डिस्प्ले सेंटर की स्थापना के साथ ही अलीगढ़ को बृज क्षेत्र से जोड़ते हुए कृष्णा सर्किट बनाए जाने की बात कही।

सहायक निदेशक सूचना संदीप कुमार ने कहा कि होटल उद्योग और पर्यटन विभाग हमेशा से एक-दूसरे के सहयोगी रहे हैं। यदि दोनों पूरी निष्ठा और आपसी तालमेल के साथ कार्य करें तो यह न केवल उद्योग और विभाग की प्रगति में सहायक होगा, बल्कि प्रदेश की आर्थिक मजबूती और पर्यटन की नई संभावनाओं को भी जन्म देगा।

महामंत्री विवेक बगाई ने कहा कि पर्यटन विश्व का सबसे पुराना उद्योग है। अलीगढ़ सदैव से सराय और पड़ाव का शहर रहा है, यहां लगभग 150 सराय हैं। विगत कुछ वर्षों में अलीगढ़ के पर्यटन विकास की दिशा में कार्य हुए हैं परन्तु अभी भी अत्यधिक संभावनाएं हैं। कई देशों की अर्थव्यवस्था केवल पर्यटन पर ही आधारित है, ऐसे में पर्यटन को अनदेखा नहीं किया जा सकता।

संगठन मंत्री मनमीत सिंह ने पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक आहुत करने पर बल देते हुए कहा कि रेलवे स्टेशन व बस स्टैण्ड पर पर्यटन हैल्प डेस्क बनाई जाए ताकि जिले में बाहर से आने वाले लोगों की यहां के पर्यटन स्थलों पर सुगमता से पहुँच हो सके।

बैठक में दीपक गर्ग, प्रदीप सिंघल, अजय गुप्ता, अनिल जैन, संजय गुप्ता, अंशुल कुमार, अनिकेत वार्ष्णेय, संजीव अग्रवाल, प्रमीत गुप्ता, राजकुमार गुप्ता आदि ने भी पर्यटन विकास के लिए अपने विचार व्यक्त करते हुए अमूल्य सुझावों को साझा किया। अंत में क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी ने सभी आंगतुकों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

अध्यक्ष जिला पंचायत ने दिव्यांगजनों को वितरित किए सहायक उपकरण

सेवा पखवाड़े के तहत विकास भवन में आयोजित हुआ वृहद कार्यक्रम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती विजय सिंह द्वारा सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत विकास भवन के सभागार में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए गए। उन्होंने उपस्थितजनों को शारदीय नवरात्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को लाभ पहुंचाना है। हम सभी का प्रयास है कि दिव्यांगजनों के लिए संचालित योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र को मिल सके।

उन्होंने दिव्यांगों एवं उनके परिजनों से आव्हान किया कि वह केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेते हुए समाज की मुख्य धारा में आएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी दिव्यांगजन विभागीय योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उपनिदेशक दिव्यांगजन सशक्तीकरण पारिशा मिश्रा ने बताया कि अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजनों को 48 व्हील चेयर, 28 बैसाखी, 9 ब्रेल किट, 13 स्मार्ट केन वितरित किए गए हैं। उन्होंने सरकार द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं की जानकारी भी उपस्थित दिव्यांगजन को दी। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भाजपा कृष्ण पाल सिंह, जिला महामंत्री शिवनारायण, ठा0 शल्यराज सिंह, जितेन्द्र गोविल, अवध प्रकाश सिंह, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी रोहित कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शशि शेखर द्वारा किया गया।

छोटी खबरें

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नारी शक्ति को किया जागरूक

मोर्निंग सिटी संवाददाता अलीगढ़ 27 सितम्बर 2025 (सू0वि0): महिला शक्ति की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन को सशक्त बनाने के लिए मिशन शक्ति के पाँचवें चरण में जिले में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को महिला कल्याण विभाग के निर्देशन में विकासखण्ड कार्यालय इगलास पर नुक्कड़ नाटकों का सफल आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को सरल और रोचक ढंग से बताया गया कि संकट की घड़ी में सहायता पाने के लिए कौन-से हेल्पलाइन नंबर उनके लिए उपलब्ध हैं। इनमें महिला हेल्पलाइन 181, पावर लाइन 1090, गर्भवती महिलाओं व नवजात शिशुओं हेतु 102, आपातकालीन पुलिस सेवा 112, एम्बुलेंस सेवा 108, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 और अग्निशमन सेवा 101 शामिल हैं। नाटकों के जीवंत प्रदर्शन ने महिलाओं को यह भी समझाया कि किस परिस्थिति में किस हेल्पलाइन पर संपर्क करना सबसे उपयुक्त होगा। इस मौके पर उपस्थित महिलाओं और छात्राओं ने न केवल उत्साह से कार्यक्रम में भाग लिया, बल्कि यह भी संकल्प लिया कि वे इन जानकारियों को घर-घर तक पहुँचाएँगी। मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत यह पहल महिलाओं को आत्मनिर्भर और सजग बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम साबित हो रही है। इस अवसर पर महिला कल्याण विभाग की ओर से बाल संरक्षण अधिकारी हितेश कुमारी, जेण्डर स्पेशलिस्ट नीतू सारस्वत, वन स्टॉप सेंटर मैनेजर सीमा अब्बास उपस्थित रहीं।

पुलिस ने गिरफ्तार किया वारंटी

मोर्निंग सिटी संवाददाता कासगंज। शहर कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र से एक वारंटी गिरफ्तार किया है। वारंटी के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया है। इंस्पेक्टर प्रवेश राना ने बताया कि कोतवाली पुलिस ने शनिवार को वारंटी सुनील कुमार पुत्र पुरूषोत्तम निवासी पढियावली डा. मन्दिर नगला, थाना मढराक जनपद अलीगढ को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई की है।

पुलिस कार्यालय में व्यक्ति ने किया आत्मदाह का प्रयास, पुलिस ने समय रहते रोका

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। जिले में एक सनसनीखेज मामला सामने आया, जहां पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर में एक व्यक्ति ने आत्मदाह का प्रयास किया। घटना के दौरान मौजूद पुलिसकर्मियों ने तुरंत सक्रियता दिखाते हुए उसकी जान बचा ली।जानकारी के अनुसार, युवक पुष्पेंद्र अपने नाना गोविंद सिंह को लेकर एसपी कार्यालय पहुंचे थे। गोविंद सिंह लंबे समय से किसी मामले को लेकर मानसिक तनाव में थे। इसी तनाव में उन्होंने पेट्रोल से खुद पर आग लगाने का प्रयास किया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने पेट्रोल उड़ेलकर माचिस से आग लगाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप कर उन्हें रोका।पुलिस ने मौके से पेट्रोल की बोतल और माचिस बरामद कर ली है। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। गोविंद सिंह के बयान दर्ज किए जा रहे हैं ताकि आत्मदाह के पीछे की असली वजह सामने आ सके।पुलिस ने इस घटना को लेकर कार्यालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी ध्यान देने के निर्देश दिए हैं।

वांछित आरोपी तमंचा, कारतूस समेत गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता कासगंज/सोरों। कोतवाली में दर्ज एक मामले में वांछित चल रहे आरोपी को पुलिस ने तमंचा, कारतूस समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया है। इंस्पेक्टर जगदीश चंद्र ने बताया कि अमित उर्फ डब्लू पुत्र जंट सिंह निवासी चंदवा सोरों को शुक्रवार की देर रात गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से एक तमंचा, कारतूस बरामद कर अग्रिम कार्रवाई की है।

टॉपर अंजलि बनी एक दिन की एसडीएम, जनता की सुनीं समस्याएं

सचेत-दामिनी एप से खुद को रखें अलर्ट, झाड़-फूंक से बचें - अंजलि, एसडीएम इगलास

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। मिशन शक्ति-5.0 के अंतर्गत उप जिलाधिकारी इगलास परितोष मिश्रा ने शिवदान सिंह इंटर कॉलेज की हाई स्कूल टॉपर छात्रा अंजलि राजपाल सिंह को एक दिन का एसडीएम बनाया। ग्राम सरकोरिया निवासी अंजलि ने पदभार संभालते ही तहसील के विभिन्न पटलों का जायजा लिया और जनता की समस्याओं को सुना। इस दौरान उन्होंने लोगों को दैवीय आपदाओं एवं सर्पदंश से बचाव के उपाय बताए। अंजलि ने कहा कि ह्लसचेतह्व एप और ह्लदामिनीह्व एप को मोबाइल में अपलोड कर मौसम का पूर्वानुमान आसानी से लगाया जा सकता है। वहीं सांप के काटने पर झाड़-फूंक कराने के बजाय तत्काल नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार लेना चाहिए। प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्यभार छोड़ने से पूर्व मिशन शक्ति जैसे सशक्तिकरण कार्यक्रम के लिए अंजली ने राज्य सरकार को धन्यवाद करते हुए कहा कि इससे उनमें नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास का संचार हुआ है। एसडीएम परितोष मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार की यह पहल बालिकाओं एवं छात्राओं को और अधिक सशक्त बनाएगी।

मिशन शक्ति 5.0 : अलीगढ़ में 793 महिलाओं और बालिकाओं को मिला योजनाओं का लाभ

68 लाख की सहायता सहित हजारों बालिकाएं और महिलाएं हुईं लाभान्वित

कोई भी पात्र महिला या बालिका योजना से वंचित न रहे-जिलाधिकारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़ । उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत जिले में महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान व आत्मनिर्भरता से जोड़ने के लिए योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। शारदीय नवरात्र के अवसर पर शुरू हुए विशेष अभियान में बड़ी संख्या में लाभार्थियों को योजना से जोड़ा गया है। जिलाधिकारी संजीव रंजन को डीपीओ अजित कुमार ने बताया कि निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत 142 निराश्रित महिलाओं को पेंशन की स्वीकृति दी गई है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना में 631 बालिकाओं को छह श्रेणियों में लाभ दिया गया है। उत्तर प्रदेश रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष से 20 पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को कुल 68 लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि मिशन शक्ति 5.0 का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि हर जरूरतमंद महिला और बालिका तक सरकार की योजनाओं का लाभ समय पर पहुँचे। उन्होंने डीपीओ अजित कुमार को निर्देश दिए कि इस अभियान में कोई भी पात्र लाभार्थी छूटने न पाए।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में लगे शिविर, छात्राओं की हुई जांच

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जनपद में चल रहे मिशन शक्ति अभियान के पांचवें चरण के तहत शनिवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में संबंधित स्वास्थ्य केंद्र की ओर से शिविर लगाए गए। इस दौरान चिकित्सकों ने छात्राओं के स्वास्थ्य का परीक्षण किया, रक्त की जांच कीं। उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। साथ ही दवाएं भी वितरित कीं। सिढ़पुरा स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिढ़पुरा की टीम ने विशेष शिविर लगाया। शिविर में कुल 75 छात्राओं की जांच की गई। मेडिकल ऑफिसर डा. गौरव कुमार सिंह ने बताया कि जांच में 11 छात्राएं बुखार पीड़ित मिलीं। 28 छात्राएं सर्दी-खांसी, सात पेट दर्द, डायरिया एवं उल्टी से ग्रसित पाई गईं। इसके अलावा 11 छात्राओं की आरडीटी से मलेरिया जांच की गई, जिनकी रिपोर्ट निगेटिव आई। अन्य बीमारियों से पीड़ित 29 छात्राओं का भी इलाज किया गया। विद्यालय की छात्राओं का बीपी और हीमोग्लोबिन परीक्षण भी किया गया। इस दौरान नर्स अनीता यादव, प्रह्लाद कुमार, वसीम अहमद, विशाल सक्सेना, रंजीत कुमार, विद्यालय की ओर से प्रभारी इंचार्ज राधा सक्सेना, शिक्षिका राजकुमारी, सीमा राठौर, सुमित्रा वर्मा, शालिनी, संध्या, नीतू मौजूद रहीं। सोरों के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में सोरों सीएचसी की ओर से स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। सीएचसी प्रभारी ने बताया कि शिविर में 90 छात्राओं के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया। सभी छात्राओं की हीमोग्लोबिन, रक्तचाप, वजन आदि की जांच की गई। इसके बाद उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया।

स्वस्थ्य जीवन जीने के बारे में भी प्रेरित किया। सहावर के फरौली में संचालित कस्तूबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में भी शनिवार को स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इस दौरान चिकित्सकों की टीम ने विद्यालय में अध्ययनरत 55 छात्राओं के स्वास्थ्य की जांच की। 20 छात्राओं का हीमोग्लोबिन चेक किया गया। दो छात्राओं की मलेरिया की जांच की गई। इसके अलावा 35 अन्य छात्राओं की जांच की गई।

राही का महाकाव्य गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ। अलीगढ की गौरवशाली धरती से पिता-पुत्र की अद्भुत जोड़ी-विख्यात वरिष्ठ महाकवि अमर सिंह राही और भारत विभूषण साहित्यकार डॉ. अवनीश राही ने साहित्य जगत में ऐसा इतिहास रचा है, जिसने अलीगढ़ का नाम ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण भारत का गौरव विश्व-पटल पर आलौकित कर दिया है। उनकी संयुक्त साधना से सृजित 550 पृष्ठों का विराट ह्लभीम चरित मानस महाकाव्यह्व प्रतिष्ठित गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ है। यह महाकाव्य असाधारण है, जिसमें 7 कांड,75 अध्याय 36 लोक विधाएं व 206 पात्र हैं। इसमें भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म से लेकर संपूर्ण जीवन-संघर्ष और महापरिनिर्वाण तक का विस्तृत वृतांत समाहित है। इसकी सबसे विलक्षण विशेषता यह है कि इसमें छंद, सवैया, लावनी, चौबोला,कविता, बहरतब्बील, भजन, रागिनी,गीत, आल्हा, दोहा और संवाद जैसी लुप्त होती कर्णप्रिय विधाओं को पुनर्जीवित किया गया है। साहित्य इतिहास में इससे पहले इतनी विविध लोकविधाओं में किसी भी महाकाव्य की रचना नहीं हुई, यही कारण है कि इसे विश्व रिकॉर्ड का सम्मान प्राप्त हुआ। सम्यक प्रकाशन नई दिल्ली से प्रकाशित इस महाकाव्य की लेखन-यात्रा 14 अक्तूबर 1994 को प्रारम्भ हुई- उसी दिन जब बाबा साहब ने बौद्ध धर्म ग्रहण किया था-और दो वर्षों की दिन-रात की साधना के बाद जून 1996 में पूर्ण हुई। विमोचन का ऐतिहासिक अवसर तत्कालीन उपराष्ट्रपति महामहिम डॉ. हामिद अंसारी के करकमलों से उनके आधिकारिक आवास पर सम्पन्न हुआ। नोएडा में आयोजित सम्मान समारोह में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के इंडियन चीफ आलोक कुमार व एशिया प्रमुख डॉ.मनीष बिश्नोई ने इस विद्वान पिता-पुत्र की जोड़ी को सम्मान पत्र, प्रमाण पत्र, प्रतीक चिन्ह और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा-ह्लभीम चरित मानस महाकाव्य एक अमर कृति है, यह साहित्य और समाज दोनों के लिए ऐतिहासिक प्रेरणास्रोत सिद्ध होगी। सम्मान ग्रहण करते हुए साहित्यकार डॉ. अवनीश राही और महाकवि अमर सिंह राही ने कहा-ह्लयह उपलब्धि केवल हमारी नहीं, बल्कि सम्पूर्ण साहित्य-जगत और समाज की है।

बाबा साहब के जीवन पर आधारित यह महाकाव्य लुप्त होती कर्णप्रिय लोकविधाओं की पुनर्प्रतिष्ठा का प्रयास है। हमें गर्व है कि हमारी साधना को विश्व पटल पर यह मान्यता प्राप्त हुई। ज्ञातव्य हो कि भारत विभूषण साहित्यकार डॉ. अवनीश राही अलीगढ़ के हीरालाल बारहसैनी इंटर कॉलेज में व्याख्याता पद पर आसीन हैं। उन्हें हाल ही में विद्या वाचस्पति डॉक्ट्रेट की मानद् उपाधि से भी सम्मानित किया गया है।

हिन्दू लड़की को लव जिहाद में फंसाकर ले गया अब्दुल- संजू बजाज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

गत दिनों 20 सितम्बर को देहली गेट क्षेत्र के अमनबिहार की हिन्दू बेटी को एक मुस्लिम युवक अब्दुल बहला फुसलाकर ले गया ,जिसकी शिकायत थाना देहली गेट में बेटी की माँ पीड़िता द्वारा की गई जिस पर मुकदमा पंजीकृत हो गया पीड़िता का कहना है मेरी बेटी बीएससी नर्सिंग की छात्रा है और मुस्कान अजरा हॉस्पिटल खैर रोड़ पर इंटर्नशिप कर रही थी वहीं अब्दुल निवासी नीवरी भी इंटर्नशिप कर रहा था और वहीं से मेरी बेटी को अपने लव जिहाद के प्रेमजाल में फँसाकर अपने साथ ले गया है पता लगने पर जब पीड़ित परिवार अब्दुल के घर पहुंचा तब उसके परिवारीजनों के द्वारा स्वीकार किया कि तुम्हारी बेटी हमारे बेटे के साथ है और उसके साथ निकाह करा दो तब मुकदमा वादिया द्वारा स्पष्ट मना करते हुए कहा कि में अपनी बेटी को मुस्लिम लड़के के साथ विवाह नहीं करा सकती तब उक्त परिवारीजनों ने पीड़िता को धमकाया भी। बेटी को 8 दिन बाद भी पुलिस द्वारा बरामद न करने पर आज पीड़ित परिवार भाजपा महानगर मंत्री एडवोकेट संजू बजाज व राष्ट्रीय सवर्ण परिषद के भरत तिवारी ब्रजमोहन उपाध्यक्ष व अन्य भाजपाइयों के साथ सीओ प्रथम के कार्यालय पर पहुंचे जहां पीड़ित परिवार गेट पर ही धरने पर बैठकर नारेबाजी करने लगे वादी पीड़िता पैट्रोल की बोतल भी साथ मे लेकर आई जो कह रही थी कि मेरी बेटी नही मिली तो में पेट्रोल डालकर आत्महत्या कर लुंगी। सीओ सिटी के आने के बाद वातार्लाभ हुई तब 2 दिन के अंदर सीओ मयंक पाठक द्वारा बरामद करने का आशवासन दिया है। एडवोकेट संजू बजाज ने कहा कि मुस्लिम युवकों द्वारा हिन्दू बहन बेटियों के साथ लव जिहाद के अंतर्गत उनको बरगलाकर ले जाना फिर उनके साथ अत्याचार करना एजेंडा के तहत मुस्लिम धर्म के लोग चला रहे हैं लेकिन हम अपनी हिन्दू बहन बेटियों के सम्मान बचाने के लिये हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े हैं । भरत तिवारी ने कहा कि अगर दो दिन के अंदर बेटी बरामद नहीं हुई तो हम लोग आंदोलन करने को बाध्य होंगे जिसकी जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की होगी। इस मौके पर योगेश माहौर,करन, सोनू, व पीड़ित परिवार मौजूद रहे।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत छात्राओं ने किया थाना भ्रमण, पुलिस की कार्यप्रणाली से हुई अवगत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कानपुर देहात, 27 सितम्बर। पुलिस अधीक्षक महोदया श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के निर्देशन में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत शनिवार को जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में छात्राओं के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को थाने की कार्यप्रणाली, मिशन शक्ति केन्द्र की भूमिका तथा सुरक्षा एवं अधिकारों संबंधी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम के तहत जूनियर हाई स्कूल संदलपुर की छात्राओं को थाना मंगलपुर, संविलियन स्कूल रसूलाबाद की छात्राओं को थाना रसूलाबाद, संविलियन उच्च प्राथमिक विद्यालय अलामचंदपुर की छात्राओं को थाना अकबरपुर तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय राजपुर की छात्राओं को थाना राजपुर पर आमंत्रित किया गया। वहीं थाना डेरापुर पर क्षेत्राधिकारी डेरापुर ने छात्राओं से संवाद कर थाने की गतिविधियों से अवगत कराया। थाना भ्रमण के दौरान छात्राओं को महिला हेल्प डेस्क, हवालात, एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया, साइबर सेल तथा अन्य शाखाओं के कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। मिशन शक्ति केन्द्र की कार्यप्रणाली समझाते हुए छात्राओं को बताया गया कि यहां महिलाओं एवं बालिकाओं को त्वरित सहायता, कानूनी सलाह और सुरक्षा उपलब्ध कराई जाती है। कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्सुकता से सवाल पूछे और अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। उन्हें विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे-वूमेन पॉवर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, एम्बुलेंस 108, चाइल्ड लाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, महिला हेल्पलाइन 181 और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 की जानकारी भी दी गई। छात्राओं को किसी भी समस्या की स्थिति में निर्भीक होकर पुलिस से तत्काल संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया। यह पहल छात्राओं में आत्मविश्वास जागृत करने, पुलिस तंत्र के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनाने तथा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य को आगे बढ़ाने की दिशा में सराहनीय कदम साबित हुई।

नवदुर्गा स्वरूप सज्जा एवं विशाल भंडारा का किया गया आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। सिकंदराराऊ के स्थानीय रेलवे रोड स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में नवरात्र के उपलक्ष्य में नवदुर्गा स्वरूप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय की विभिन्न छात्राओं ने प्रतिभाग किया एवं नव देवियों का स्वरूप धारण किया एवं माँ दुर्गा स्तुति का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दुर्गा स्तुति के पाठ के साथ प्रबंधक विनोद गुप्ता ,कोषाध्यक्ष नीरज वैश्य एवं प्रधानाचार्य अनिल कुमार सिंह चौहान के द्वारा हुआ। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में श्रीमती नीतू शर्मा , श्रीमती शशि प्रभा एवं आकांक्षा रही जिनके अनुसार प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अनामिका ,अराध्या कणिका द्वितीय स्थान अंशिका आभ्या पावनी एवं तृतीय स्थान वांशिक ,मानवी,मेधा दीक्षा ,मांनशी ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का समापन माँ दुर्गा के जयकारों एवं एक विशाल भंडारे के आयोजन के साथ किया गया एवं प्रधानाचार्य के द्वारा आए निर्णायकों का आभार व्यक्त किया गया एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

पत्रकार समिति के महासचिव अरुण त्रिपाठी का भव्य स्वागत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति के महासचिव अरुण त्रिपाठी के प्रथम बार हाथरस आगमन पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। जिला अध्यक्ष अशोक रावत के निवास स्थान पर आयोजित स्वागत समारोह में बड़ी संख्या में पत्रकार साथी उपस्थित रहे। समिति के संरक्षक अशोक नवरत्न एवं वरिष्ठ पत्रकार हेम नारायण द्विवेदी भी इस मौके पर मौजूद रहे।मुख्य अतिथियों का स्वागत पारंपरिक ढंग से माल्यार्पण कर एवं अंगवस्त्र पहनाकर किया गया। माहौल पूरी तरह आत्मीय और उत्साहपूर्ण रहा।इस अवसर पर समिति के उद्देश्यों और गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा हुई। विशेष रूप से पत्रकारों के सम्मान, उनकी शारीरिक, आर्थिक एवं पारिवारिक समस्याओं के समाधान पर विचार-विमर्श किया गया। महासचिव अरुण त्रिपाठी ने कहा कि समिति का मुख्य ध्येय पत्रकारों के हितों की रक्षा करना और उन्हें हर स्तर पर सहयोग प्रदान करना है।कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष अशोक रावत, वरिष्ठ पत्रकार नीरज चक्रपाणि, शुभम गुप्ता,ब्रजेश मिश्रा , जिनेंद्र जैन, डॉ. एम.एल. रावत, छोटू पुरोहित सहित पत्रकार साथी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर समिति को मजबूत बनाने और पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट रहने का संकल्प लिया।

उत्तर प्रदेश को तीन हिस्सों में बांटकर बने एक नया राज्य- भूपेश शर्मा

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को अखण्ड आर्यावर्त निर्माण संघ ने भेजा ज्ञापन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश को तीन हिस्सों में बांटकर नए राज्य बनाने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। इसी क्रम में अखण्ड आर्यावर्त निर्माण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष भूपेश शर्मा ने महामहिम राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन भेजकर उत्तर प्रदेश के पुनर्गठन की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि उत्तरप्रदेश का भू-भाग विशाल है, जिसकी जनसंख्या कई विकसित देशों से भी अधिक है। इतनी बड़ी आबादी और भू-भाग पर एक ही राजधानी और एक ही प्रशासनिक ढांचा प्रभावी ढंग से काम नहीं कर पा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, रोजगार और कानून व्यवस्था जैसे अहम क्षेत्रों में राज्य पिछड़ रहा है। संघ का कहना है कि प्रदेश के विभिन्न भूभाग अपनी भौगोलिक, ऐतिहासिक और सामाजिक परिस्थितियों के कारण अलग-अलग समस्याओं से जूझ रहे हैं। कहीं गरीबी और पलायन की मार है, कहीं शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की भारी कमी है, तो कहीं बेरोजगारी और अपराध की समस्या गहराती जा रही है। वही अखण्ड आर्यावर्त निर्माण संघ ने ज्ञापन में छोटे राज्यों के

कई फायदे गिनाए हैं। छोटे राज्यों में सरकार आम जनता तक तेजी से पहुंच पाएगी। प्रशासनिक सुगमता बढ़ेगी और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा। नई राजधानियों के निर्माण से स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित होगा। नए उद्योग और संसाधनों का विकास युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करेगा। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार आसानी से किया जा सकेगा। तीन नए राज्यों का खाका संघ ने अपने ज्ञापन में उत्तरप्रदेश से तीन नए राज्यों के गठन का सुझाव भी रखा है। पश्चिम उत्तरप्रदेश क्षेत्र मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, बरेली, कासगंज, एटा समेत पश्चिमी और ब्रज क्षेत्र के जिले है। राजधानी मेरठ या नोएडा, आगरा विशेषता यह कि क्षेत्र औद्योगिक और कृषि उत्पादन में अग्रणी है, लेकिन बेरोजगारी और किसान समस्याओं से जूझ रहा है। पूर्वांचल प्रदेश क्षेत्र वाराणसी, गोरखपुर, आजमगढ़, बलिया, देवरिया, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, सिद्धार्थनगर और आसपास के जिले है। राजधानी वाराणसी या गोरखपुर विशेषता है कि यह क्षेत्र संस्कृति और आस्था का केंद्र है, लेकिन गरीबी, पलायन और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी सबसे बड़ी समस्या है। बुंदेलखंड आवध प्रदेश क्षेत्र झांसी, ललितपुर, बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, कानपुर, लखनऊ, रायबरेली, फैजाबाद (अयोध्या) समेत मध्य और दक्षिण क्षेत्र के जिले है। राजधानी लखनऊ या झांसी विशेषता यह कि इलाका ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व का है लेकिन पानी की किल्लत और पिछड़ेपन की मार झेल रहा है। भूपेश शर्मा ने कहा कि विशाल उत्तरप्रदेश का प्रशासनिक और आर्थिक रूप से सुचारू संचालन अब संभव नहीं रह गया है। यदि तीन नए राज्य बनते हैं तो विकास की गंगा प्रदेश के हर कोने में बहेगी। संघ ने केंद्र सरकार से अपील की है कि इस विषय पर गंभीरतापूर्वक विचार कर जनहित में ऐतिहासिक निर्णय लिया जाए।

छोटी खबरें

भक्तों ने नवरात्रि के अवसर शक्ति पीठ भद्रकाली माता मंदिर पर पूजा अर्चना कर किया प्रसाद वितरण

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। नवरात्रि के पावन पर्व पर पांचवे दिन भक्तों ने हाथरस जिले के सहपऊ कस्बे में स्थित प्राचीन शक्ति पीठ भद्रकाली माता मंदिर पर पूजा अर्चना कर प्रसाद वितरण किया। यह मंदिर सैकड़ों वर्ष पुराना है और काफी मान्यता है जो भी भक्त सच्चे मन से माता की पूजा अर्चना करता है उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है यह मंदिर नवरात्रि पर पूरे दिन भक्तों के लिए खुला रहता है यहां सुबह से ही भक्तों की भीड़ दर्शन करने को जुटी रहती हैं। योगेश वार्ष्णेय सहपऊ वाले युवा नगर अध्यक्ष उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल हाथरस द्वारा मंदिर कमेटी का अंग वस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया।

त्यौहारों पर शान्ति व्यवस्था हेतु बैठक, सुरक्षा-व्यवस्थाओं के निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। आगामी त्यौहारों रामनवमी, मूर्ति विसर्जन, दशहरा मेला, रावण दहन और दीपावली को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के साथ थाना हाथरस जंक्शन पर बैठक की।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी आयोजन स्थल जैसे मूर्ति पाण्डाल, विसर्जन स्थल और रावण दहन स्थल पर साफ-सफाई, पानी, प्रकाश, विद्युत, सुरक्षा और अग्निशमन की व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जाएं। कार्यक्रम आयोजकों से समन्वय कर वालंटियर तैनात किए जाएं और नगर निकायों व पंचायती राज विभाग द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाए।उन्होंने कहा कि विसर्जन चिन्हित स्थलों पर ही हो, सुरक्षा के लिए गोताखोर और पुलिस बल तैनात रहें। डीजे मानक के अनुरूप बजें, अश्लील गाने और नृत्य वर्जित रहें। शोभा यात्राएं केवल पूर्व निर्धारित मार्गों से ही निकाली जाएं तथा किसी भी नई परंपरा की शुरुआत न हो।पुलिस अधीक्षक ने थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि डीजे संचालकों को नियमों का पालन सुनिश्चित कराएं और रावण दहन में बनने वाले पुतलों में विस्फोटक सामग्री पर विशेष निगरानी रखें। पुलिस बल लगातार भ्रमणशील रहकर सभी कार्यक्रमों की गतिविधियों पर नजर रखे।बैठक में अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी पुलिस, कलेक्ट्रेट और नगर निकाय अधिकारियों सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सेवा पखवाड़ा अभियान में दिव्यांगजनों को वितरित हुए सहायक उपकरण

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण योजनांतर्गत सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत विकास भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सांसद अनूप प्रधान वाल्मीकी, विधायक सदर अंजुला सिंह माहौर, विधायक सिकन्द्राराऊ वीरेंद्र सिंह राणा, जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी व जिलाध्यक्ष श्याम सिंह सहित जनप्रतिनिधियों ने दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए।कार्यक्रम में कुल 77 उपकरण बांटे गए, जिनमें 20 श्रवण यंत्र, 10 ब्लाइंड स्टिक, 20 बैसाखी और 27 व्हीलचेयर शामिल रहीं।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी पी.एन. दीक्षित, परियोजना निदेशक राजेश कुमार कुरील, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी स्मृति गौतम, जिला कार्यक्रम अधिकारी धीरेन्द्र उपाध्याय, जिला समाज कल्याण अधिकारी सरिता सिंह, कोषाधिकारी ममता सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बेटियों के अधिकारों पर जागरूकता

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत संकल्प हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन योजना की टीम ने कन्या इंटर कॉलेज सासनी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लैंगिक समानता और बेटियों के अधिकारों का संदेश दिया।कार्यक्रम में छात्राओं शीतल, गुंजन, पलक, हिमांशी, रूही, परी, अंतरा, नाविका और नंदिनी ने प्रस्तुति दी। महिला कल्याण विभाग की डीएमसी मोनिका दीक्षित ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि बेटा-बेटी के बीच भेदभाव खत्म कर बेटियों को भी समान अवसर देना आवश्यक है। उन्होंने विभाग की योजनाओं – बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, कन्या सुमंगला योजना, बाल सेवा योजना, वन स्टॉप सेंटर, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181, 1090 आदि की जानकारी दी।विद्यालय की प्रधानाध्यापक उमा कुमारी ने छात्राओं को योजनाओं की जानकारी लेने और पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर हब से जेंडर स्पेशलिस्ट ज्योति और सीमा द्वारा पेम्फलेट वितरित किए गए तथा विद्यालय परिसर में कन्या सुमंगला योजना से संबंधित स्टिकर लगाए गए।कार्यक्रम में अध्यापिकाएं रीना सिंह, सलोनी शर्मा, सुरभि सहित बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं।

जीएसटी जागरूकता अभियान, कर बोझ घटने पर चर्चा

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जीएसटी स्लैब में किए गए बदलाव के बाद नगर पालिका परिषद हाथरस के पूर्व अध्यक्ष पंडित आशीष शर्मा ने जीएसटी जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान वे किला गेट, मेंदू गेट, सीअल आदि क्षेत्रों में पहुंचे और स्थानीय लोगों से बातचीत कर सुधारों के प्रभाव साझा किए।आशीष शर्मा ने कहा कि इन बदलावों से आम जनता के कंधों से करों का बोझ और घटेगा। उन्होंने इसे अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने जोर दिया कि नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी सुधार आम आदमी, गरीब, किसान, महिला, युवा और व्यापारी वर्ग के जीवन को सशक्त और स्वावलंबी बनाने में मील का पत्थर साबित होंगे।अभियान में भाजपा नगर अध्यक्ष मूलचंद वार्ष्णेय, नगर महामंत्री दिनेश शर्मा, नगर महामंत्री कृष्ण मुरारी वार्ष्णेय, शक्ति केंद्र संयोजक मनोज कुशवाहा, ताराचंद माहेश्वरी, जीतू शर्मा, नगर उपाध्यक्ष रमेश राजपूत, दिलीप चौधरी और मनोज शर्मा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति केन्द्र का लोकार्पण, महिलाओं की सुरक्षा व सशक्तिकरण पर जोर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय और पुलिस अधीक्षक चिरंजीवनाथ सिन्हा ने संयुक्त रूप से कोतवाली हाथरस जंक्शन पर मिशन शक्ति केन्द्र का पूजा-अर्चना कर फीता काटकर शुभारंभ किया।जिलाधिकारी ने कहा कि इस केन्द्र के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, परामर्श और त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने जोर दिया कि महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।थाना समाधान दिवस के मौके पर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने जनसमस्याओं की सुनवाई की और अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। अतिक्रमण व अवैध कब्जे हटाने, अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और फरियादियों से नम्र व्यवहार करने पर विशेष बल दिया गया।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, न्यायिक अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे।

हिंदूवादी संगठनों का प्रदर्शन, लगे 'आई लव महादेव' और 'आई लव यूपी पुलिस' के नारे

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। प्रदेश में 'आई लव मोहम्मद' को लेकर पैदा हुए विवाद का असर जनपद में भी दिखाई दिया। इसी के विरोध में शनिवार को राष्ट्र स्वाभिमान दल और अन्य हिंदूवादी संगठनों ने बागला कॉलेज के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया।राष्ट्र स्वाभिमान दल के संस्थापक दीपक शर्मा और डॉ. विकास शर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग प्रदर्शन में शामिल हुए। कॉलेज के छात्र-छात्राएं भी भारी संख्या में मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में 'आई लव महादेव', 'आई लव यूपी पुलिस' और 'आई लव योगी' लिखे बैनर थामे और सड़कों पर जोरदार नारेबाजी की।प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि धर्म के नाम पर उपद्रव करने वाले लोग यदि सड़कों पर आए तो महादेव के भक्त भी चुप नहीं बैठेंगे। इसके चलते कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रण में लिया।प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री और उत्तर प्रदेश पुलिस के प्रति समर्थन व्यक्त किया और कहा कि यह केवल प्रदर्शन नहीं, बल्कि संदेश है कि देश वीर शिवाजी और महाराणा प्रताप की धरती है और धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

शासकीय योजनाओं से लाभान्वित कर उन्हें सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना है - रैनू गौड़

सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत दिव्यांगजनों को वितरित की बैसाखी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना अंतर्गत सेवा पखवाड़ा अभियान में 13 जोड़ी बैसाखी का वितरण श्रीमती रेनू गौड़ सदस्य राज्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में किया गया साथ ही दिव्यांग जनों को पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत विकास भवन सभागार में दिव्यांगजन सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती रेनू गौड़ द्वारा की गई। इस अवसर पर दिव्यांगजनों को 13 जोड़ी बैसाखियाँ वितरित की गईं। इस अवसर पर दिव्यांगजनों को पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। वही रेनू गौड़ ने कहा कि सहायक उपकरण एवं पेंशन प्रमाण पत्र प्रदान किए जाने से दिव्यांगजन अधिक आत्मनिर्भर बन सकेंगे तथा समाज की मुख्य धारा में सशक्त रूप से सम्मिलित हो पाएंगे। यह कार्यक्रम सेवा पखवाड़ा अभियान (17 सितम्बर से 02 अक्टूबर, 2025) के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित कर उन्हें सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना है। कार्यक्रम में प्रभारी अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, प्रभारी समाज कल्याण अधिकारी कासगंज सहित विभाग के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

न्यायालय कर्मचारियों को अभिलेख रखरखाव संबंधी प्रशिक्षण

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। जे.टी.आर.आई. लखनऊ के निर्देश और जनपद न्यायाधीश विनय कुमार के आदेशानुसार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में न्यायालय कर्मचारियों के सतत सीखने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।जनपद न्यायालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अंजय सक्सैना और रीडर अश्वनी शर्मा ने तृतीय श्रेणी कर्मचारियों को सामान्य पत्र व परिपत्र, गार्ड फाइल का रखरखाव, प्रतिलिपि बनाना, रिकॉर्ड रूम, फाइल अनुक्रमण तथा सामान्य नियमावली (क्रिमि.) के कॉलमों को सही रूप से भरने संबंधी विस्तृत जानकारी दी।कर्मचारियों को बताया गया कि वे अपने-अपने न्यायालयों में पत्रावलियों की शामिलाता स्वयं करें और गार्ड फाइल तैयार करते समय पत्रों को तिथि अनुसार चस्पा कर उसकी विषय सूची तैयार करें, ताकि पत्रों की खोज में कठिनाई न हो। इसके अतिरिक्त अन्य बिंदुओं पर भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

सिकंदराराऊ में पीड़ित परिजनों से मिले जनप्रतिनिधि

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। जिला पंचायत अध्यक्ष सीमा रामवीर उपाध्याय ने सिकंदराराऊ भ्रमण के दौरान हाल ही में गोपी पर हुई दर्दनाक घटना में मृत युवकों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी।वहीं कचौरा में हुए अभिषेक हत्याकांड पर सांसद अनूप बाल्मीकि और जिला पंचायत अध्यक्ष सीमा रामवीर उपाध्याय ने गहरा शोक व्यक्त किया।

बसपा नेता को मिली जान से मारने की धमकी, पुलिस ने दर्ज किया मामला

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। बसपा नेता डॉ. अविन शर्मा को जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि राघवेंद्र चौधरी नामक व्यक्ति ने खुद को राजेश टोंटा गैंग का सदस्य बताते हुए उन्हें फोन और व्हाट्सएप पर धमकियां दीं।पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपित की पहचान नगला अलगर्जी निवासी राघवेंद्र चौधरी के रूप में हुई है। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि शिकायत के आधार पर अभियोग पंजीकृत किया गया है। आरोपित की तलाश जारी है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अभाविप कासगंज के कार्यकर्ताओं ने कुलपति को दिया ज्ञापन

10 दिन के अंदर समस्याओ का समाधान न होने पर उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कासगंज ने जिले में चल रहे विभिन्न महाविद्यालयों की विभिन्न समस्याओं को लेकर राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के कुलपति प्रो० एन.बी. सिंह को ज्ञापन दिया। ज्ञापन देकर उन्होने बताया कि जिले के महाविद्यालयों में कक्षाएं सुचारू रूप से संचालित नहीं होती है वही तारा देवी महाविद्यालय में काफी अनियमितताएं हैं जिसमें महाविद्यालय परिसर में खेती, मान्यता के मानक पूर्ण न होना और परीक्षा केंद्र बनाकर नकल के नाम पर छात्रों से प्रति सेमेस्टर में अवैध वसूली करना। जिले के के.ए. पीजी कॉलेज में बीएससी बायोटेक को बीसीए बताकर छात्रों का प्रवेश लिया। और विभिन्न समस्याएं बताते हुए कार्यकताओं ने 10 दिन का समय दिया और कहा कि समस्या का समाधान न होने पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा। जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय प्रशासन की होगी। जिसमें जिला संयोजक शिवांक नायक ने कहा कि जिले के तारा देवी महाविद्यालय में विभिन्न समस्याएं हैं जैसे कि महाविद्यालय में खेती की जा रही है और परीक्षा केंद्र बनने पर छात्रों से नकल के नाम पर अवैध वसूली करते हैं। हम सभी कार्यकताओं ने कुलपति महोदय को सभी अनियमितताएं ज्ञापन के माध्यम से बताई हैं और 10 दिन का समय दिया है, और कुलपति ने भी जल्द कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है। ज्ञापन देने वालों ने प्रमुख रूप से विभाग संगठन मंत्री नीरज गोस्वामी, नगर विस्तारक धुव गंगवार, यश मिश्रा, हिमांशु लोधी, तेजेंद्र लोधी, मृदुल तिवारी, अनंत शर्मा, अंश सक्सेना, सिंटू एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केए कालेज में 27वाँ दीक्षांत समारोह गरिमामय एवं उत्सवपूर्ण वातावरण में हुआ सम्पन्न

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। केए पीजी कॉलेज, कासगंज (राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय, अलीगढ़ से सम्बद्ध) का 27वाँ दीक्षांत समारोह अत्यंत गरिमामय एवं उत्सवपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह अवसर महाविद्यालय के गौरवशाली इतिहास का स्वर्णिम अध्याय बन गया। समारोह का शुभारंभ सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन से हुआ। स्वागत गीत ने पूरे माहौल को भावपूर्ण बना दिया। प्राचार्य प्रो. अशोक रूस्तगी ने स्वागत भाषण में कॉलेज की उपलब्धियों और योजनाओं का उल्लेख किया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. एन. बी. सिंह ने छात्रों को अनुशासन, परिश्रम और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी की प्रेरणा दी। दीक्षांत वक्ता डॉ. बाल मुकुंद पांडे ने जीवन की चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करने का आह्वान किया। प्रबंधन समिति के सचिव श्री विनय कुमार जैन ने शैक्षिक और खेलकूद की उपलब्धियों के साथ भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। सत्र 2023-24 के मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण एवं रजत पदक, उपाधियाँ और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। अंग्रेजी विभाग के सौरभ यादव को सर्वाधिक पदक (चार) प्राप्त हुए। अन्य पदक विजेताओं में सोनी यादव (बी.ए.), कल्पना भारद्वाज (एम.ए. समाजशास्त्र), अंजू सोलंकी (एम.ए. अर्थशास्त्र), सऊद अर्शद (एम.ए. भूगोल), अभिषेक पचेरी (एम.कॉम.), मोहम्मद उवेद जाहिद (एम.एससी.), कीर्ति गौतम (बी.ए.) सहित अनेक छात्र-छात्राएँ शामिल रहीं। मंच संचालन डॉ. बृजेन्द्र यादव एवं डॉ. हर्ष मिश्रा ने किया। राष्ट्रगान एवं भव्य शैक्षिक शोभायात्रा के साथ समारोह का समापन हुआ। इस अवसर पर नगर के अनेक गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद और प्रबंध समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हाथरस में सड़क सुरक्षा अभियान, यातायात नियमों का पालन करने की अपील

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के निर्देशन में जनपद में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस ने दुर्घटना संभावित स्थानों और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में ओवरलोड वाहन, अधिक सवारियाँ, ड्रिंक एंड ड्राइव, बिना हेलमेट या सीट बेल्ट, दोषपूर्ण नंबर प्लेट और ओवरस्पीड जैसी उल्लंघनों की चैकिंग की।इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 25 वाहन चालकों के चालान काटे गए। आम जनता को वाहन चलाते समय सुरक्षित व्यवहार, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट, दोपहिया वाहन में हेलमेट, निर्धारित गति का पालन और नशे की स्थिति में वाहन न चलाने की जानकारी दी गई।पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की कि ओवरलोडिंग, दोपहिया वाहन पर तीन सवारी, मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाना, काली फिल्म, मोडीफाइड साइलेंसर, हूटर व प्रेशर हार्न का प्रयोग न करें। अधिकारियों ने कहा कि नियमों का पालन सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य है।

मौक्ष धाम में युवक की अचानक गिरने से मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। शनिवार सुबह पत्थर वाली मौक्ष धाम परिसर में 40 वर्षीय युवक पवन पुत्र खिलौनी की अचानक गिरने से मृत्यु हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पवन ब्रैंच (चबूतरे) पर बैठा था, तभी वह अचानक गिर पड़ा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।घटना की जानकारी सबसे पहले मौके पर मौजूद सुरजीत ने स्थानीय लोगों को दी।

महात्मा गांधी जम्म दिवस पर बन्द रहेगी शराब की थोक व फुटकर बिक्री

मोर्निंग सिटी संवाददाता कासगंज। जिला मजिस्ट्रेट प्रणय सिंह ने बताया कि महात्मा गांधी के दिन 02 अक्टूबर 2025 को जनपद कासगंज की समस्त देशी शराब, विदेशी मदिरा, बीयर, मॉडल शॉप एवं भांग की थोक व फुटकर बिक्री पूर्णतः बन्द रहेगी। इस बन्दी के लिये अनुज्ञापियों को कोई प्रतिफल देय नहीं होगा। इस आदेश का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये।

जनपद में किया जायेगा युवा उत्सव का आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता कासगंज। महानिदेशालय के पत्र सं0 द्वारा संदर्भित पत्रों के क्रम में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विकसित भारत युवा नेता संवाद विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग 2026 के विकसित भारत चैलेंज ट्रैक के अन्तर्गत माई भारत पोर्टल पर युवाओं का पंजीकरण करा कर ऑनलाइन क्वियज में प्रतिभाग कराने एवं विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग 2026 के अन्तर्गत युवा उत्सव का आयोजन जनपद स्तर पर किये जाने हेतु दिनांक 01 सितम्बर से 15 अक्टूबर, 2025 तक तिथियों का निर्धारण किया गया है। इस हेतु विकसित भारत युवा नेता संवाद के अन्तर्गत जनपद के 10500 युवाओं का माई भारत पोर्टल पर पंजीकरण कराया जाना है। माई भारत पोर्टल पर अधिकाधिक संख्या में युवाओं का पंजीकरण करा कर ऑनलाइन क्विज में भागीदारी करायी जायेगी अधिक जानकारी के लिये विकास खण्ड स्तर पर क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रा0वि0द0 अधिकारियों एवं जनपद कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।

कांग्रेस का वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान लगातार जारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता कासगंज। कांग्रेस कमेटी के जिला महासचिव अमित कुमार यादव एडवोकेट, ब्लॉक अध्यक्ष पप्पू पचैरी और उपाध्यक्ष बालकराम यादव ने वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान चलाया। अभियान कादरगंज पुख्ता, गढ़ी, इंदजसनपुर, पीतम नगर और हडौरा सहित कई गांवों में चलाया गया। अभियान के दौरान कई ग्रामीणों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। साथ ही, संगठन सृजन अभियान के तहत ग्राम सभा अध्यक्ष और बूथ अध्यक्ष कमेटियों का भी गठन किया गया। इस अभियान के तहत गढ़ी, कादरगंज पुख्ता, बस्तौली, रिखौली और गजोरा जैसे अन्य गांवों में भी भ्रमण किया गया।

तीन दर्जन दैवीय झांकियों के साथ निकली प्रभु राम की बारात

मोर्निंग सिटी संवाददाता कासगंज। पटियाली कस्बा में चल रहे श्रीरामलीला महोत्सव में शुक्रवार की रात भगवान श्रीराम की बारात निकाली गई। तीन दर्जन से अधिक दैवीय झांकियों के साथ प्रभु राम के स्वरूपों ने कस्बा में भ्रमण किया। नगर भ्रमण के दौरान श्रद्धालुओं ने प्रभु राम के स्वरूपों की पूजा अर्चना की, पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया। राम बारात का शुभारंभ कस्बा के वरिष्ठ समाजसेवी सचिन वार्ष्णेय एवं भाजपा नेता डा. शिवप्रताप सिंह ने भगवान राम के स्वरूप की आरती उतारकर किया। कमेटी ने अतिथियों का अभिनंदन किया। इसके बाद कस्बा के बिजली घर से शोभायात्रा शुरू हुई। मोहल्ला मिश्राना, अलीगंज मार्ग, मुख्य चैराहा, मैन बाजार, गंजडुंडवारा रोड, मुल्ला टोला, मोहल्ला चैक आदि क्षेत्रों से प्रभुराम की बारात ने भ्रमण किया। श्रद्धालुओं ने रथ पर सवार भगवान के स्वरूपों पर पुष्प वर्षा की। राम बारात का समापन रामलीला ग्राउंड पर हुआ। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था में इंस्पेक्टर लोकेश भाटी, कस्बा चैकी इंचार्ज धर्मेंद्र कुमार मय पुलिस बल के मौजूद रहे।

अमांपुर में आज धूमधाम से निकलेगी प्रभु श्रीराम की बारात

मोर्निंग सिटी संवाददाता कासगंज। अमांपुर कस्बा में रविवार को शाम 5 बजे से प्रभु श्रीराम की बारात श्रीराम जानकी मंदिर से धूमधाम से निकाली जाएगी। राम बरात का नगर में भ्रमण कराया जाएगा। इसके लिए कमेटी की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। राम बारात में विभिन्न दैवीय झांकियां भी शामिल रहेंगी। यह जानकारी कमेटी अध्यक्ष रूद्रप्रताप सिंह ने दी है। उन्होंने सभी धर्मप्रेमियों से प्रभु राम की बारात में शामिल होकर धर्मलाभ कमाने की अपील की है।

वन गमन, केवट संवाद, चित्रकूट निवास लीला का हुआ मंचन

मोर्निंग सिटी संवाददाता कासगंज। गंजडुंडवारा कस्बा में चल रहे श्री रामलीला महोत्सव के आदर्श रामलीला मण्डल चित्र कूट के कलाकारों ने भगवान राम के वन गमन, केवट संवाद, चित्रकूट निवासी लीला का मंचन किया। कलाकारों ने राम नाम लेते हुए नृत्य भी प्रस्तुत किया। सभासद रामकुमार गुप्ता ने प्रभु राम के स्वरूप की आरती उतारी। इसके बाद वन गमन के लिए रवाना किया। इस दौरान ऋषि कुमार वार्ष्णेय, सचिन गुप्ता, गौरव गुप्ता, संजीव गुप्ता को कमेटी अध्यक्ष अजय कुमार गुप्ता, महामन्त्री पंकज सोलंकी ने रामनाम का पटुका पहनाकर गीता भेंट की। इस मौके पर हरिओम गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, आशीष गुप्ता, चन्द्र पाल माथुर समेत अन्य मौजूद रहे।

माता मंदिर पर एक दीप मां के नाम कार्यक्रम सोमवार को

मोर्निंग सिटी संवाददाता कासगंज/सोरों। कस्बा सोरों के बाहर स्थित माता चैरासी घण्टे वाली के मन्दिर पर सोमवार को नवरात्र सप्तमी के अवसर पर सायं छह बजे एक दीप मां के नाम कार्यक्रम होगा। यह जानकारी मंदिर की व्यवस्थापिका महारानी गुप्ता ने दी है। उन्होंने बताया है कि यह आयोजन सरकार की मुख्य योजना मिशन शक्ति से प्रेरित होकर महिला शक्ति को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। हालांकि पूर्व में भी मंदिर पर दीपोत्सव का आयोजन हुआ है। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कोई भी माता, बहन, भाई अपने साथ एक दीप लाकर माता के मन्दिर में प्रज्जवलित करें। माता का मन्दिर सोरों कछला गेट ब्लाक से आगे सोरों नगरिया मार्ग पर गांव बहादुर नगर में स्थित है।

बस हेल्पर ने उड़ाए 15 लाख, रकाबगंज पुलिस ने किया गिरफ्तार, 11 लाख से ज्यादा नकदी व जेवर बरामद

मोर्निंग सिटी संवाददाता आगरा। थाना रकाबगंज पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 15 लाख रुपये की चोरी की घटना में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी बस हेल्पर अमित उर्फ गिर्राज पुत्र भगवान सिंह निवासी जिला भिंड (मध्य प्रदेश) है, जिसके कब्जे से 11 लाख 1 हजार 240 रुपये नकद, एक मोबाइल फोन और सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए गए हैं। बरामद मोबाइल और आभूषण चोरी किए गए पैसों से खरीदे गए थे। घटना 17 सितंबर की है, जब पीताम्बरा एक्सप्रेस सर्विस प्रा. लि. के कर्मचारी ने मथुरा से आरोपी अमित को 15 लाख रुपये का पैकेट सौंपा था, जिसे आगरा बालाजी ट्रेवल्स पर वादी को देना था। लेकिन पैसों को देखकर आरोपी की नीयत बिगड़ गई और बस बालूगंज रुकने पर उसने चुपके से पैकेट लेकर टैक्सी से फरार हो गया। वादी की तहरीर पर 21 सितंबर को थाना रकाबगंज में मुकदमा दर्ज किया गया और पुलिस टीमों का गठन किया गया। 27 सितंबर को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी को हंस ट्रेवल्स के आगे सेंट एन्थोनी स्कूल की बाउंड्री के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि चोरी के पैसों से उसने पहले झांसी जाकर 26 हजार का मोबाइल खरीदा, फिर अयोध्या व जौनपुर में घूमने-फिरने के बाद ज्वैलर्स से सोने-चांदी की अंगूठियां व कान की बाली खरीदी। शेष बचे पैसों के साथ वह दिल्ली जाने की फिराक में था, तभी पकड़ा गया।

ताज सुरक्षा पुलिस ने दिखाया मानवीय चेहरा, बिछड़े पर्यटक परिवारों को मिलाया, बच्ची बनी थाना प्रभारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। ताजमहल परिसर में शनिवार का दिन पुलिस की तत्परता और मानवीय संवेदनाओं का साक्षी बना। ताज सुरक्षा पुलिस ने जहां एक वृद्धा और एक मासूम बच्चे को उनके परिजनों से सकुशल मिलाकर पर्यटकों का भरोसा जीता, वहीं मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत एक नन्हीं बच्ची को एक दिन के लिए थाना प्रभारी बनाकर उसका उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ाया। उत्तर प्रदेश के झांसी से ताजमहल घूमने आए नसीर खान की 60 वर्षीय पत्नी हसीना बेगम पश्चिमी प्रवेश द्वार से अंदर जाते समय भीड़ में अपने पति से बिछड़ गईं। पति ताजमहल के भीतर चले गए जबकि वह गलती से बाहर निकल आईं। घबराई हुई महिला रोते हुए नीम तिराहा बैरियर पर ड्यूटी कर रहे 45वीं वाहिनी पीएसी के आरक्षी राहुल यादव और प्रमोद कुमार को मिलीं। दोनों आरक्षियों ने तुरंत सूचना क्विक रिस्पांस टीम प्रभारी उप निरीक्षक शिवराज सिंह को दी। प्रभारी निरीक्षक ताज सुरक्षा तिलकराम भाटी के निर्देशन में सीसीटीवी फुटेज, रेडियो अनाउंसमेंट और आरटी सेट मैसेज के जरिए तलाश शुरू की गई। महज 30 मिनट में उनके पति को खोजकर महिला से मिलवा दिया गया। पति-पत्नी के मिलते ही उनके चेहरे पर खुशी लौट आई। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक शिवराज सिंह, मुख्य आरक्षी विजय प्रताप यादव, महिला आरक्षी अनामिका सिंह सेंगर, पीएसी आरक्षी राहुल यादव और प्रमोद कुमार की अहम भूमिका रही। इसी दिन बिहार के सीतामढ़ी से आए पर्यटक दीपक कुमार का तीन वर्षीय बेटा ताजमहल के पश्चिमी प्रवेश द्वार के पास भीड़ में बिछड़ गया। बच्चा रोता हुआ नीम तिराहा बैरियर पर ड्यूटीरत पीएसी जवान ऋषि कुमार को मिला। उन्होंने तत्काल सूचना क्विक रिस्पांस टीम प्रभारी उप निरीक्षक शिवराज सिंह को दी। प्रभारी निरीक्षक ताज सुरक्षा तिलकराम भाटी के निर्देशन में सीसीटीवी फुटेज और घोषणाओं की मदद से बच्चे के परिजनों को तलाशा गया। मात्र 20 मिनट में बच्चा सुरक्षित अपने माता-पिता से मिल गया। बेटे को पाकर मां शिवानी गुप्ता की आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े और उन्होंने ताज सुरक्षा पुलिस का आभार व्यक्त किया। इस टीम में उपनिरीक्षक शिवराज सिंह, मुख्य आरक्षी विजय प्रताप यादव, महिला आरक्षी अनामिका सिंह, आरक्षी भानवेंद्र सिंह और पीएसी आरक्षी ऋषि कुमार शामिल रहे।

पुलिसकर्मियों को मिला जीवनरक्षक प्रशिक्षण, सीपीआर व प्राथमिक उपचार कार्यशाला आयोजित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। पुलिस कमिश्नरेट के निर्देशन में उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन (वामा सारथी) के तत्वावधान में शनिवार को पुलिस लाइंस सभागार में सीपीआर प्रशिक्षण एवं प्राथमिक उपचार कार्यशाला का आयोजन किया गया। उजाला सिग्नस रेनबो अस्पताल की विशेषज्ञ टीम ने इस कार्यशाला में पुलिसकर्मियों को जीवनरक्षक तकनीकें सिखाईं। पुलिसकर्मी अक्सर सड़क हादसों, आत्महत्या या मेडिकल इमरजेंसी जैसी घटनाओं से दो-चार होते हैं। ऐसे समय पर त्वरित और सही प्राथमिक उपचार मिलने पर मरीज की जान बचाने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। इसी उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर श्री दीपक कुमार के निर्देशन पर इस विशेष प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यशाला में डॉ. वंदना कालरा (एमडी एनेस्थीसिया क्रिटिकल केयर), बिजनेस डेवलपमेंट हेड श्री तरुण मैनी और उनकी टीम ने पुलिसकर्मियों को सीपीआर की सही तकनीक, छाती पर दबाव देने की विधि, कृत्रिम श्वसन की प्रक्रिया और हृदय गति अथवा सांस रुकने पर अपनाए जाने वाले प्रोटोकॉल का प्रदर्शन किया। इसके अलावा दुर्घटना, जलने की घटना, बेहोशी, रक्तस्राव या हड्डी टूटने जैसी आकस्मिक परिस्थितियों में किए जाने वाले प्राथमिक उपचार के तरीकों की भी जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि सही समय पर दिया गया प्राथमिक उपचार किसी भी व्यक्ति के जीवन को बचा सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों को व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया, जिससे वे भविष्य में किसी भी आपात स्थिति में आत्मविश्वास के साथ मदद कर सकें। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पुलिसकर्मियों को हर हादसे या आपदा की स्थिति में "फर्स्ट रिस्पॉन्डर" के रूप में और अधिक सशक्त बनाना था। इसमें कमिश्नरेट आगरा के करीब 140 अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया।

महिला सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन हेतु मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान का हुआ आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। शनिवार को महिला सुरक्षा,सम्मान व स्वावलंबन हेतु उपजिलाधिकारी सुश्री हर्षिता व खंड शिक्षा अधिकारी राजेश चैधरी द्वारा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय कासगंज में मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान चलाया गया।मिशन शक्ति अभियान के विषय पर विस्तृत चर्चा की साथ ही बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन व सरकार की भी यही इच्छा है कि महिलाएं देश के विकास मे अग्रणी भूमिका निभायें एवं विकसित भारत मिशन 2047 में महिलाओं के नेतृत्व की भूमिका के विषय पर प्रकाश डाला।इस अभियान में उपजिलाधिकारी सुश्री हर्षिता,खंड शिक्षा अधिकारी राजेश चैधरी,कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का समस्त स्टाफ व सैकड़ों छात्राएं मौजूद रहीं।

मिशन शक्ति-5 .0 अभियानः परिषदीय स्कूल की छात्राओं को कराया थानों का भ्रमण, महिला सुरक्षा व कानूनी अधिकारों की दी जानकारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति-5.0 अभियान के तहत आज जनपद के विभिन्न परिषदीय विद्यालयों की छात्राओं को थानों और पुलिस चौकियों का भ्रमण कराया गया। इस दौरान छात्राओं को महिला सुरक्षा, कानूनी अधिकार, हेल्पलाइन नंबर और पुलिस द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सहायता सेवाओं की जानकारी दी गई। अभियान के तहत प्राथमिक स्कूल ताजगंज की छात्राओं ने थाना ताजगंज का, प्राथमिक विद्यालय जगनपुर और कम्पोजिट स्कूल न्यू आगरा की छात्राओं ने थाना हरिपर्वत का, कम्पोजिट स्कूल टेढ़ी बगिया और नगला रामबल की छात्राओं ने थाना ट्रांस यमुना का भ्रमण किया। वहीं, कम्पोजिट विद्यालय सरदार पटेल पार्क की छात्राओं ने पुलिस चौकी आलमगंज, कम्पोजिट स्कूल नाई की मंडी की छात्राओं ने थाना नाई की मंडी, कम्पोजिट स्कूल मुरलीधरपुर की छात्राओं ने थाना बरहन और पूर्व माध्यमिक विद्यालय ईदगाह की छात्राओं ने ईदगाह पुलिस चौकी का भ्रमण किया।

भ्रमण के दौरान छात्राओं को महिला हेल्पलाइन, गुड टच-बैड टच और आत्मरक्षा के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। उपस्थित पुलिस महिला अधिकारियों ने छात्राओं को निर्भीक होकर अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और छात्राओं को सुरक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत जीजीआईसी पुखरायां में नुक्कड़ नाटक, बेटियों की शिक्षा व सुरक्षा पर दिया संदेश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कानपुर देहात, 27 सितम्बर। जिलाधिकारी महोदय के निर्देशन एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी के नेतृत्व में मिशन शक्ति विशेष अभियान स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार के पांचवें चरण का आयोजन जनपद में जारी है। इसी क्रम में शनिवार को जीजीआईसी पुखरायां में लैंगिक समानता विषय पर नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय की बालिकाओं ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत मंचन कर समाज को संदेश दिया कि लिंग भेदभाव खत्म कर बेटियों को शिक्षा के अवसर दिए जाएं। नाटक के माध्यम से बालिकाओं ने शिक्षा के महत्व व समान अधिकारों की जरूरत को सरल और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श (सेफ टच और अनसेफ टच) पर भी छात्राओं को जागरूक किया गया। बालिकाओं व महिलाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी पंपलेट वितरण के माध्यम से दी गई। इनमें मातृत्व वंदना योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड एवं सामान्य), कन्या सुमंगला योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर, जननी सुरक्षा योजना प्रमुख रहीं। साथ ही, छात्राओं को महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, वूमेन पावर लाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, साइबर हेल्पलाइन 1930 और एंबुलेंस सेवा 108 जैसे हेल्पलाइन नंबरों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर बच्चों को उनके अधिकारों, कानूनों और विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की सेंटर मैनेजर निधि सचान, काउंसलर नेहा पाल, चाइल्ड हेल्पलाइन के सुपरवाइजर दीपक कुमार, विद्यालय की प्रधानाचार्य, अध्यापिकाएं, बालिकाएं व अन्य कार्मिक उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

आवासीय विद्यालय की छात्राओं को सिखाई प्रशासनिक कार्यशैली

मोर्निंग सिटी संवाददाता मैनपुरी/भोगांव। नगर के जीटी रोड पर स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय की छात्राओं ने थाना कोतवाली में पहुंचकर पुलिस की कार्यशाली तथा परिवार परामर्श केंद्र के बारे में जानकारी हासिल की। शनिवार की दोपहर कस्तूरबा बालिका अवासीय विधालय की बार्डन सुधा यादव के साथ विद्यालय की बालिकाये थाना कोतवाली पहुंची। जहां पूर्व से समाधान दिवस में मौजूद उप जिलाधिकारी संध्या शर्मा ने छात्राओं को प्रशासनिक कार्य शैली के बारे में बताया। तथा इंस्पेक्टर प्रदीप पांडे ने पुलिस की कार्यशैली, सीसीटीएनएस के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां दी। उपनिरीक्षक मोनिका चौधरी ने मिशन शक्ति के बारे में छात्राओं को बताया कि छात्राओं व महिलाओं की सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन की व्यवस्था है जिसके तहत महिला आपात स्थिति में छेड़छाड़ अथवा अन्य अपराधिक मामलों में हेल्पलाइन पर फोन कर सहायता ले सकते हैं पुलिस उनकी सहायता के लिए तत्पर है। छात्रों को परामर्श परिवार परामर्श केंद्र के बारे में बताते हुए का परिवारों को टूटने से बचाने के लिए पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में सुलह समझौते कराती है। इस मौके पर हेड कांस्टेबल नरेंद्र सिंह महिला आरक्षी सत्यवती, रेशमा खान, विधालय की बार्डन सुधा यादव, कंचन मिश्रा मौजूद रहे।

फुट ओवरब्रिज पर मिला सस्पेंड कॉन्स्टेबल का शव, पास में पड़ी थी चूहे मारने की दवा

मोर्निंग सिटी संवाददाता आगरा। ताजनगरी में शनिवार सुबह सनसनीखेज मामला सामने आया। कैलाश मोड़ स्थित फुट ओवरब्रिज पर निलंबित चल रहे एक कॉन्स्टेबल का शव पड़ा मिला। शव के पास से चूहे मारने की दवा भी बरामद हुई है। सूचना पर पुलिस पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। हालांकि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। सुबह करीब 10 बजे स्थानीय लोगों ने पुल पर शव देखकर पुलिस को सूचना दी। अऊढ आदित्य कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पहचान पत्र से मृतक की शिनाख्त सिपाही विवेक के रूप में हुई। फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया और घटनास्थल की बारीकी से जांच कराई जा रही है। प्रथमदृष्टया पुलिस मामले को आत्महत्या मान रही है, लेकिन सभी बिंदुओं पर जांच जारी है। मृतक विवेक मूल रूप से बुलंदशहर जिले के शिकारपुर थाना क्षेत्र के सुजानपुर पूठा गांव के निवासी थे। वह वर्ष 2015 में उत्तर प्रदेश पुलिस में भर्ती हुए थे। उनकी तैनाती आगरा में थी। 27 जुलाई 2024 को वह पिनाहट थाने से छुट्टी लेकर घर गए थे, लेकिन उसके बाद ड्यूटी पर नहीं लौटे। करीब एक साल तक लगातार गैरहाजिर रहने पर 28 जून 2025 को उन्हें निलंबित कर दिया गया। वर्तमान में उनकी तैनाती पुलिस लाइन में थी। पुलिस ने बताया कि शव के पास से बरामद चूहे मारने की दवा से आत्महत्या की आशंका है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह स्पष्ट होगी। विवेक के परिजनों को सूचना दे दी गई है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

विश्व पर्यटन दिवस-2025: मंत्री जयवीर सिंह ने सुभाष पार्क और क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय का किया भव्य लोकार्पण

मोर्निंग सिटी संवाददाता आगरा। विश्व पर्यटन दिवस-2025 के अवसर पर पर्यटन और संस्कृति विभाग के मंत्री एवं जनपद प्रभारी मंत्री जयवीर सिंह ने आज आगरा में सुभाष पार्क और क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय का भव्य लोकार्पण किया। लोकार्पण और स्वागत समारोह के बाद मंत्री जयवीर सिंह एमजी रोड स्थित सुभाष पार्क पहुंचे, जहाँ उन्होंने मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना के तहत किए गए सुदृढ़ीकरण, सौन्दर्यीकरण और लैण्डस्केपिंग कार्यों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने आग्रावासियों को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना काल के बाद लोगों की जीवनशैली में बदलाव आया है और लोग अब स्वस्थ जीवन व प्रकृति के करीब रहना चाहते हैं।

साइबर क्राइम पुलिस की बड़ी कार्रवाई, करोड़ों की ठगी करने वाला शातिर गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। साइबर क्राइम थाना, कमिश्नरेट आगरा ने आईपीओ और क्रिप्टो निवेश के नाम पर हाई रिटर्न का झांसा देकर लोगों से करोड़ों की ठगी करने वाले शातिर अपराधी धर्मेन्द्र कुमार उर्फ डिक्की (54) को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने टेलीग्राम और व्हाट्सऐप के माध्यम से फर्जी लिंक और पेमेंट गेटवे का उपयोग कर भोले-भाले निवेशकों से कुल 1,96,62,000 रुपये की ठगी की थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 1,78,00,000 रुपये की रकम रिकवर कर ली है। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी का गिरोह विदेशों तक फैला हुआ था। दुबई, हांगकांग, मलेशिया, सिंगापुर और थाईलैंड में बैठे उसके सहयोगियों के साथ मिलकर आरोपी ने भारतीय निवेशकों से धोखाधड़ी कर धनराशि विदेश ट्रांसफर कराई। गिरफ्तार अभियुक्त ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उनकी टीम ने निवेशकों को उच्च लाभ का लालच देकर अढड फाइल, टेलीग्राम और व्हाट्सऐप के माध्यम से फर्जी लिंक भेजे। विदेश में बैठे सहयोगियों की मदद से बैंक खातों से धनराशि निकालकर विभिन्न खातों में ट्रांसफर की जाती थी।

धर्मेन्द्र कुमार उर्फ डिक्की दिल्ली का निवासी है और उसके खिलाफ हरियाणा व दिल्ली में पहले से ही कई मामले दर्ज हैं। ठउउफह पोर्टल पर उसके खिलाफ 46 शिकायतें दर्ज हैं। आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल फोन बरामद हुए। उसने बताया कि अब तक उन्होंने करीब 20-25 बैंक खातों की किट और सिम कार्ड विदेश भेजे हैं और कमीशन के रूप में 70-80 लाख रुपये कमाए हैं। एसएसपी आगरा और अपर पुलिस आयुक्त क्राइम, आदित्य कुमार ने बताया कि साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है और आम जनता को निवेश करते समय सतर्क रहने की चेतावनी दी गई है।

इस गिरफ्तारी ने स्पष्ट संदेश दिया है कि साइबर अपराधियों को न तो क्षेत्रीय सीमा रोक सकती है और न ही वे पुलिस की नजरों से बच सकते हैं। गिरफ्तारी में निरीक्षक रीता यादव, निरीक्षक श्याम सिंह, उपनिरीक्षक अंकुर कुमार और 30नि0 दीपक कुमार की टीम शामिल रही। पुलिस ने बताया कि आरोपी को अपराध में प्रयुक्त मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया गया।

'सन सिटी' जोधपुर

थार के प्रवेश द्वार राजस्थान की राजधानी जयपुर के बाद सर्वाधिक चहल-पहल वाला शहर है जोधपुर। यह शहर जयपुर के बाद राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा रेगिस्तान शहर है। अपनी अनूठी विशेषता के कारण इस शहर को दो उपनाम-'सन सिटी' और 'ब्लू सिटी' मिले हैं। 'सन सिटी' नाम जोधपुर के चमकीले धूप के मौसम के कारण दिया गया है, जबकि 'ब्लू सिटी' का नाम मेहरानगढ़ किले के आसपास स्थित नीले रंग के घरों के कारण दिया गया है। जोधपुर को 'थार के प्रवेश द्वार' के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह शहर थार रेगिस्तान की सीमा पर स्थित है। जोधपुर शहर को 1459 में राजपूतों के राठौड़ राव जोधा ने स्थापित किया था। इससे पहले इस शहर को 'मारवाड़' नाम से जाना जाता था, किन्तु वर्तमान नाम शहर के संस्थापक राव जोधा के नाम पर है। इस किलेनुमा शहर को पत्थर की एक ऊंची दीवार संरक्षण प्रदान करती है। यह दीवार करीब 10 किलोमीटर लंबी है तथा विभिन्न दिशाओं में इसके 8 प्रवेश द्वार हैं। विशाल किले के अलावा अपने जमाने के खूबसूरत महलों, मंदिरों तथा उत्कृष्ट संग्रहालयों के कारण यह शहर पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। तो आइए, क्यों न चलें उन स्थलों की ओर-

जसवंत थांडा : मेहरानगढ़ किले के नजदीक सफेद संगमरमर की बनी महाराजा जसवंत सिंह की समाधि दर्शनीय है। इसका निर्माण 1899 में किया गया था। यहां के विभिन्न चित्रों और समाधियों में उस युग की शाही वंशावली सुरक्षित है। 4 समाधियां संगमरमर की बनी हैं।

मेहरानगढ़ किला : यह भव्य किला 120 मीटर ऊंची पहाड़ी पर बना हुआ है। सामरिक कारणों से 1459 में राव जोधा ने अपनी राजधानी मंडौर से यहां बदल ली थी। इस खूबसूरत किले के अंदर मोती महल, फूल महल और शीश महल आदि मौजूद हैं। ये सभी भवन शिल्पकला व भवननिर्माण कला के अद्भुत नमूने हैं। शाही परिवार की महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने वाली मेहराबदार खिड़कियां, आगे खूबसूरत डिजाइन में निकले छज्जे, बलुई पत्थर पर की गयी सुंदर व बारीक नक्काशी, पत्थर के खुदे हुए लुक आदि काबिलेतारीफ है। इस किले को देखकर मन रोमांचित हो जाता हैं। घूमते समय यहां की अद्भुत कलाएं मोहित कर लेती हैं।

उमैद भवन : इस उत्कृष्ट भवन का निर्माण महाराजा उमैद सिंह ने 1829-42 में करवाया था। उस समय इस खर्चीले भवन के निर्माण में 15 लाख रुपये खर्च हुए थे। यह अकालग्रस्त लोगों की सहायता के लिए महाराजा उमैद सिंह द्वारा किया गया एक सार्थक उपाय था। इसके 347 कमरों को बहुत ही सुरुचिपूर्ण ढंग से संवारा गया था। वर्तमान समय में महल का एक भाग कुछ भूतपूर्व शासकों का निवास स्थान है। बाकी भाग को एक बड़े होटल में परिवर्तित कर दिया गया है। महल के अंदर खूबसूरत जोधपुर उमैद भवन बाग भी है। महल के कुछ भाग ही पर्यटकों के लिए खुले हैं।

कालियाना झील : यह शहर से 11 किलोमीटर दूर जैसलमेर मार्ग पर कृत्रिम झील के किनारे का क्षेत्र एक खूबसूरत पिकनिक स्थल है। पर्यटक यहां से खूबसूरत सूर्यास्त का आनंद जरूर लेते हैं। यहां का दृश्य ऐसा प्रतीत होता है, जैसे आसमान के कैनवास पर किसी ने अनगिनत रोमांटिक रंग छिड़क दिए हों। यहां का खूबसूरत दिलकश नजारे को पर्यटक दिलों में बसा लेते हैं।

बलसमंद लेक व पैलेस : शहर से 7 किलोमीटर दूर यह एक मनोहारी पर्य टक स्थल है। जहां आम, अमरूद, पपीते के अलावा अन्य घने वृक्षों की खूबसूरती तो देखते बनती ही है, साथ में इन वृक्षों से आती ठंडी हवाएं पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। यहां की कृत्रिम झील के किनारे शांत वातावरण में पर्यटक अद्भुत शांति महसूस करते हैं। इस झील का निर्माण 1159 में बालक राव परिहार ने किया था।

जोधपुर में कई मंदिर दर्शनीय है - महामंदिर मंदिर, रसिक बिहारी मंदिर, गणोश मंदिर, बाबा रामदेव मंदिर, संतोषी माता मंदिर, चामुंडा माता मंदिर और अचलनाथ शिवालय लोकप्रिय मंदिरों में हैं।

मंडौर बाग : शहर से 9 किलोमीटर दूर स्थित मंडौर मरवाड़ की पुरानी राजधानी रही है, जिसे सामरिक कारणों से बदलना पड़ा। आज भी इसके भग्नावशेष मौजूद हैं। अब यह खूबसूरत घने बागों के बीच स्थित पिकनिक स्थल बन गया है। यहां भी पर्यटकों को भरपूर सुकून मिलता है और आनंद की अनुभूति होती है।

कब जाएं

इस क्षेत्र में वर्षभर गर्म और शुष्क जलवायु बनी रहती है। ग्रीष्मकाल, मानसून और सर्दियां यहां के प्रमुख मौसम हैं। इसलिए साल के किसी भी महीने में जोधपुर का कार्यक्रम बना सकते हैं। वैसे सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है।

कैसे जाएं

जोधपुर शहर का अपना हवाई अड्डा और रेलवे स्टेशन है। प्रमुख शहरों से उड़ानें और रेल सुविधाएं हैं। सड़क मार्ग से भी प्राय- सभी बड़े शहरों से पहुंच सकते हैं।

गंगा के किनारे बसी बाबा विश्वनाथ की काशी

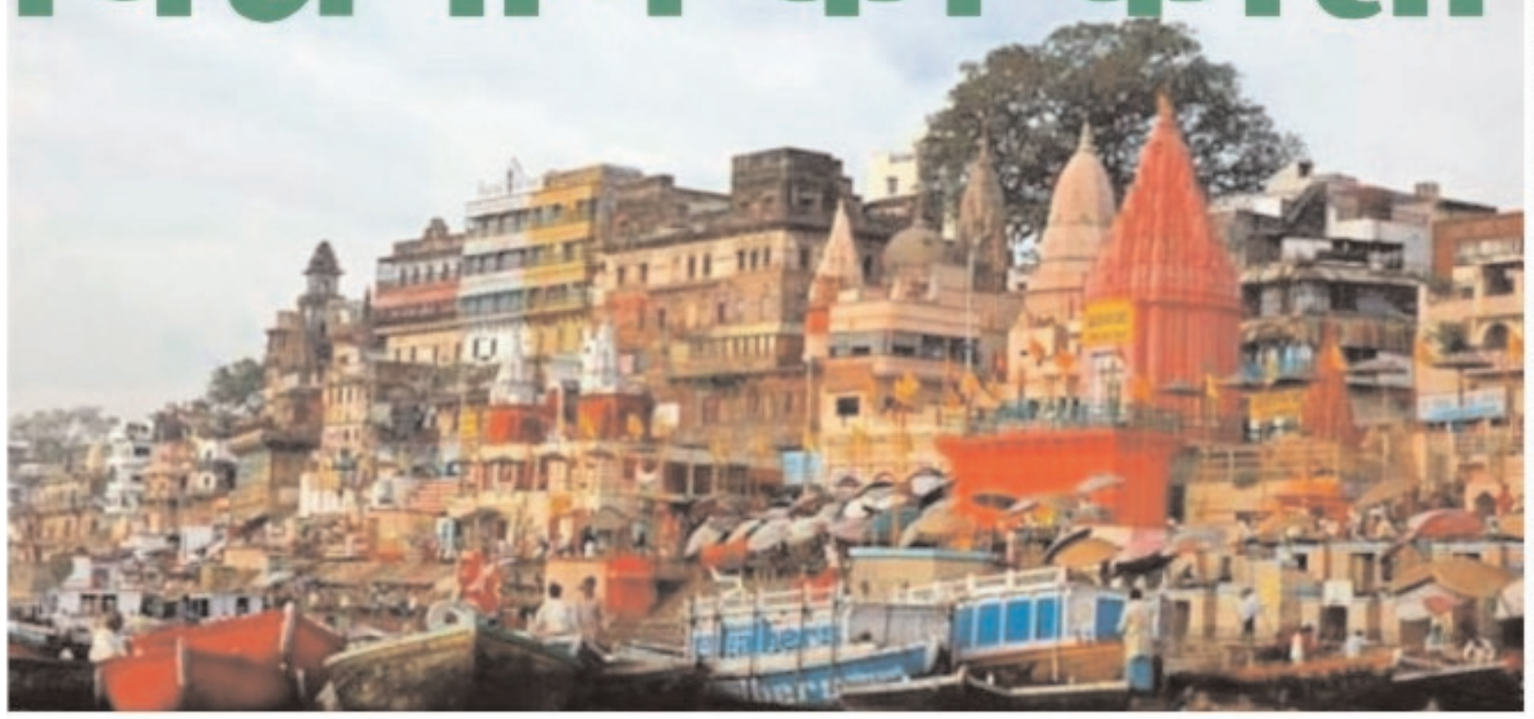

लोक, कला और पर्यटन के मामले में वाराणसी बेहद समृद्ध है। यहां देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। यहां गंगा के घाट सदियों पुराना इतिहास समेटे हुए हैं। भगवान शिव का प्रसिद्ध तीर्थस्थल होने के कारण भी यहां साल भर पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यह शिव की काशी नगरी है। साक्षात् विराजमान हैं महादेव यहां। वाराणसी की यात्रा एक तरह से शिव से मुलाकात है। मन का मैल धोना हो, मन का बोझ उतारना हो था फिर चाहिए मुक्ति तो एक बार काशी चले आइए और गंगा तट पर स्नान कर महादेव से साक्षात्कार कीजिए।

ये काशी ही है जो पूरी दुनिया को बुलाती है- आओ मुझसे मिलो। यहां के घाट, मैरी वर्च, भारत कला म्यूजियम, राम नगर दुर्ग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय व नंदेश्वर कोढी दर्शनीय हैं। इन सबके अलावा यहां का काशी विश्वनाथ मंदिर विश्वविख्यात है। इसके अलावा तुलसी मनस मंदिर, भारत माता मंदिर और दुर्गा मंदिर बेहतरीन मंदिरों में से एक है।

वाराणसी के आसपास भी पर्यटक स्थल हैं, जहां आप भ्रमण कर सकते हैं जैसे चुनार, सारनाथ और जौनपुर। चंद्रप्रभा वाइल्ड लाइफ सैंक्चुरी और कैमूर वाइल्ड लाइफ सैंक्चुयरी एडवेंचर प्रेमियों के लिए बेहतरीन टूरिस्ट स्पॉट हैं। वाराणसी में साल भर मेले और त्योहार पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने रहते हैं। इनमें से कुछ त्योहार प्रमुख माने जाते हैं जैसे कार्तिक पूर्णिमा, बुद्ध पूर्णिमा, गंगा महोत्सव, रामलीला, हनुमान जयंती, पंच कोशी परिक्रमा और महाशिवरात्रि।

वाराणसी के मंदिर श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण माने जाते हैं। यहां के मंदिर देखने दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। बनारस के ज्यादातर मंदिर पुराने शहर के रास्ते में हैं। सबसे मुख्य मंदिरों में काशी विश्वनाथ मंदिर हैं, जहां भगवान शिव स्वयं विराजमान हैं। पूरे साल यहां भगवान शिव के भक्तों का तांता लगा रहता है। इस मंदिर में शाम की आरती बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। इसे देखने श्रद्धालु उमड़ पड़ते हैं।

बनारस शहर की पवित्रता यहां की बहती नदी गंगा के साथ भी जुड़ी है। बनारस स्थित गंगा घाट पर पर्यटकों और वहां के स्थानीय लोगों की भीड़ लगी रहती हैं। दशमेघ घाट, अस्सी घाट, बहना संगम, पंचगंगा और मणि कर्णिका, यहां के मुख्य घाटों में से हैं। इन घाटों के पीछे कई किवदंतियां हैं। सुबह इन घाटों पर लोगों की भीड़ रहती है, जो गंगा नदी में डुबकी लगाकर उगते सूरज की आराधना करते हैं।

वाराणसी से नजदीक हैं सारनाथ, जहां भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था प्रबोधन पाने के बाद। सम्राट अशोक ने बाद में यहां स्तूप भी बनवाया था। सारनाथ में कई सारे बौध स्मारक बने। बुद्ध पूर्णिमा का त्योहार यहां उत्साहपूर्वक मनाया जाता है।

वाराणसी आप कभी भी जा सकते हैं। दिल्ली से सीधी ट्रेन वाराणसी जाती है। कोलकाता राजधानी एक्सप्रेस, शिव गंगा एक्सप्रेस और काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस से पर्यटक काशी पहुंच सकते हैं। यहां कभी भी घूमने जाया जा सकता है। मगर फरवरी से लेकर अप्रैल तक का समय अच्छा रहता है।

घूमने बिहार जाएँ तो इन दस ठिकानों को न भूल जाएँ!

पर्यटन के हिसाब से बिहार समृद्ध है। यहां देखने के लिए बहुत कुछ हैं। बिहार के नाम विहारा से बनाया गया। मतलब भ्रमण करने की जगह। विश्व का पहला विश्वविद्यालय स्थापित करने का गौरव बिहार को ही हासिल है। विभिन्न धर्मों के स्मारक भी यहीं देखने को मिलते हैं। बिहार में ऐसी दस मुख्य जगह हैं, जहां आप घूम सकते हैं।

नालंदा विश्वविद्यालय- पांचवी शताब्दी में बना यह विश्वविद्यालय विश्व का पहला रेसिडेंसियल यूनिवर्सिटी है। यहां ज्ञान की रोशनी सभी को अलोकित करती है। किसी समय लगभग 2000 शिक्षक देश-विदेश से आए दस हजार छात्रों को पढ़ाते थे। यहां बुद्ध ने भी एक शिक्षक की भूमिका निभाई। महान विद्वान और चीनी पर्यटक ह्यून सेंग भी यहां के छात्र रहे थे। यह विश्वविद्यालय कुशान वास्तुकला का बेहतरीन नमूना हैं। बरसों बंद रहने के बाद आज यह विश्वविद्यालय आंशिक रूप से फिर से शुरू हो गया है।

बोधि वृक्ष- पटना से सौ किलोमीटर दूर गया में बोधि वृक्ष बौद्धों का महत्वपूर्ण तीर्थस्थल हैं। पूरे विश्व से बौद्ध समुदाय के लोग इस वृक्ष के सामने नतमस्तक होते हैं। कहते हैं भगवान बुद्ध की ज्ञान इसी वृक्ष के नीचे प्राप्त हुआ था। वृक्ष के पास ही महा बोधि मंदिर है, जो बौद्ध धर्म अपनाने वालों के लिए पवित्र स्थल हैं।

मचालिंडा झील- मचालिंडा झील के शेषनाग के नाम पर पड़ा है। दरअसल, सांपों के राजा मचालिंडा ने भगवान बुद्ध को इसी झील के पास उनके छठे हफ्ते के ध्यान के समय भयंकर आंधी और लहरों से बचाया था। इस वजह से यह जगह मचालिंडा के नाम से जाना जाता हैं। बोध गया में इस जगह के आस-पास की हरियाली इसे बेहतरीन पर्यटक स्थल बनाती हैं।

गिद्धकुटा पीक- यह पीक वल्चर पीक के नाम से जाना जाता हैं। राजगीर स्थित यह पीक बिल्कुल एक गिद्ध की तरह हैं। महात्मा बुद्ध ने इस पीक पर अपने कुछ प्रसिद्ध उपदेश दिए थे और तब से यह बौधों के लिए पवित्र स्थल बन गया।

राजगीर का गर्म कुंड- राजगीर का हॉट सिप्रंग्स पर्यटकों के लिए खास जगह हैं। वैभव पहाड़ियों के नीचे इस गर्म कुंड में नहाने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। इस कुंड में पानी सप्तधारा से आता हैं। यह धारा सप्तपर्णी गुफा के पीछे से बहती हैं। कहते हैं यह कुंड अपने आप में औषधीय गुण समेटे हुए है। ब्रहमकुंड यहां का सबसे गर्म कुंड माना जाता हैं। इसका तापमान लगभग 450 डिग्री सेल्सियस होता हैं। कहा जाता है भगवान बुद्ध और महावीर ने भी इस कुंड में स्नान किया था।

बक्सर फोर्ट- गंगा नदी के तट के साथ बसे बक्सर के प्राचीन किले को 1054 में बनाया गया था। इस किले की बनावट बेहद उत्कृष्ट हैं। यह किला अंदर से भी बेहद आकर्षक हैं। अगर आप बक्सर जाएं तो इस किले का भ्रमण करना न भूलें। साथ ही यहां का गौरी शंकर मंदिर और नाथ बाबा मंदिर भी दर्शनीय है।

नवलखा पैलेस- मधुबनी जिले के राजनगर में इस पैलेस का निर्माण 17वीं शताब्दी में हुआ था। दरभंगा के महाराजा रामेश्वर सिंह ने इसका निर्माण कराया था। 1934 में आए भूकम्प के कारण इस पैलेस को काफी क्षति पहुंची थी। उसके बाद इसका निर्माण नहीं हो पाया। इसके अलावा कमला नदी के पास मां काली मंदिर और मां दुर्गा को समर्पित राजनगर पैलेस यहां का मुख्य पर्यटक स्थल हैं।

हेन सैंग मेमोरियल हॉल- प्रसिद्ध चीनी विद्वान ह्यून सेंग की याद में बनाया गया यह हॉल अद्भुत शिल्पकला का उदाहरण हैं। कहते हैं उन्होंने भारत में अपने बारह साल यहीं गुजारे थे। आचार्य शील भद्र की छत्रछाया में उन्होंने यहां योग सीखा।

जलमंदिर- झील के बीचोंबीच कमल के फूल से घिरा है। यह जलमंदिर। ऐसा कहा जाता है। भगवान महावीर के बड़े भाई राजा नंदीवर्धन ने इसे बनाया था। यह मंदिर विमान के आकार में है। 600 फीट लंबा पुल इस मंदिर को किनारे से जोड़ता हैं। इसी जगह भगवान महावीर ने महाप्रयाण किया था।

पटना म्यूजिक- 1917 में बना म्यूजिक पर्यटकों के लिए खास आकर्षण केंद्र हैं। राजपूत और मुगल वास्तुकला से समृद्ध इस म्यूजियम में पेंटिंग्स, पौराणिक बीजें और अन्य प्रतिरूप रखे जाए हैं। यहां हिंदू और बौध धर्म की वस्तुओं का विशेष संग्रह हैं। 20 करोड़ साल पुराने पेड़ का अवशेष भी यहां रखा हैं।

संस्कृति के हिसाब से बिहार में देखने के लिए बहुत कुछ हैं। इन पर्यटन स्थलों को देखने के लिए आप भी रेलमार्ग या वायुमार्ग से यहां आ सकते हैं।

मेरी ताकत परिवार का प्यार, इसने मेरी शक्ति को जगाया

साल 2024 की प्रेरक फिल्म 'लापता लेडीज' से अभिनय की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री प्रतिमा रांटा की यात्रा हर युवा अभिनेत्री के लिए मिसाल है। अमर उजाला से खास बातचीत में प्रतिमा ने अपनी इस यात्रा के ऐसे अनुभव साझा किए, जो हर महिला को अपने भीतर की ताकत पहचानने और हर चुनौती का हिम्मत से सामना करने के लिए प्रेरित करेंगे।

पहली फिल्म ने दी नई दिशा और आत्मविश्वास

पहली फिल्म ने मेरे लिए सब कुछ बदल दिया। अब मैं खुद फैसले ले सकती हूं, समझ सकती कि मैं क्या करना चाहती हू और खुद को नए तरीके से चुनौती दे सकती हूं। नए प्रयोग करने का साहस तभी आता है जब आपने अपने पहले कदम में खुद को साबित किया हो और लोगों ने उसे पसंद किया हो। यह अनुभव मुझे नई एनर्जी और आत्मविश्वास देता है। अब कोई भी चुनौती मुझे डराती नहीं, बल्कि मुझे और मजबूत बनाती है।'

मुंबई का पहला कदम और नए अनुभव

'जब मैं शिमला से मुंबई आई, तब मुझे बिल्कुल नहीं पता था कि मेरा जीवन कैसे बदलेगा। यह मेरे लिए एक नई शुरुआत थी। शूटिंग के लिए अलग-अलग शहरों में जाना, नए लोगों से मिलना, पहली बार पर्दे पर अपनी कहानी पेश करना। हर दिन नए अनुभव और चुनौतियों से भरा था। कई बार लगा कि मैं आगे कैसे बढ़ूंगी, लेकिन हर मुश्किल ने मुझे और मजबूत बनाया। आज पीछे मुड़कर देखती हू, तो पाती हूं कि यही अनुभव मेरी सबसे बड़ी ताकत बन चुके हैं।

अकेलेपन और संघर्ष का सामना

शुरुआती दौर में मुंबई में बहुत अकेलापन महसूस हुआ। हर दिन नए लोगों और नए प्रोजेक्ट्स के बीच खुद को साबित करना आसान नहीं था, लेकिन मैंने खुद से कहा- 'तुम्हारे भीतर ताकत है, छोटे-छोटे कदम बढ़ाते रहो।' मैंने छोटी-छोटी उपलब्धियों का जश्न मनाया। अपने अनुभवों से सीखा और कभी हार नहीं मानी। यही एहसास कि कठिनाइयों में भी हम खुद को संभाल सकते हैं, मेरी सबसे बड़ी ताकत बन गया।

करियर का टर्निंग पॉइंट

मेरा पहला ब्रेक फिल्म 'लापता लेडीज', करियर की टर्निंग पॉइंट बनी। यह सिर्फ मेरी शुरुआत नहीं थी बल्कि मेरी मेहनत और संघर्ष का परिणाम था। उस समय मुझे लगा कि मेरी कहानी अब लोगों तक पहुंचेगी और सच में ऐसा हुआ भी। उस दिन यकीन हुआ कि मेहनत, आत्मविश्वास और हिम्मत से हर सपना पूरा किया जा सकता है। यह सीख मुझे आज भी हर नई चुनौती के लिए तैयार रखती है।

डर और शंका को पार करना

नई राह पर कदम रखना हमेशा आसान नहीं होता। डर और संदेह आते हैं। मैं खुद से कहती हूं- 'प्रतिभा, चलते रहो ... गहरी सांस लो, खुद पर भरोसा रखो।' हर दिन एक छोटा कदम आगे बढ़ाना, चाहे कितना भी मुश्किल क्यों न लगे, यही मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। डर को समझना और उसके बावजूद कदम बढ़ाना ही सही रास्ता है।

परिवार और समर्थन की ताकत

मेरे परिवार, खासकर मेरे दादा-दादी, ने हर चुनौती में मेरा हौसला बढ़ाया। बॉलीवुड अनिश्चितताओं से भरा है, हर दिन नया संघर्ष और नई परीक्षा लेकर आता है। कई बार लगता है कि क्या मैं सफल हो पाउंगी, लेकिन परिवार का प्यार और समर्थन मुझे आगे बढ़ने की ताकत देता है। यही ताकत मुझे स्थिर रखती है और मेरे भीतर की शक्ति को जगाती है।

सान्या मल्होत्रा ने राष्ट्रीय पुरस्कार जीत का अनोखे अंदाज़ में किया सेलिब्रेट

कटहल के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के बाद, स्टार कलाकार सान्या मल्होत्रा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह अपनी पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ कलाकारों में क्यों शामिल हैं। उनका सोशल मीडिया कैप्शन — कटहल नहीं मिला तो क्या हुआ, राष्ट्रीय पुरस्कार तो मिल गया — इस जश्न के मूड को बखूबी बया करता है, जो उनके प्रशंसकों और फिल्म जगत के बीच लंबे समय से इंतज़ार था। लेकिन यह सफलता कोई अकेली उपलब्धि नहीं है। सान्या का 2025 का सफर असाधारण संतुलन का प्रतीक है — 'सैम बहादुर' और शाहरुख खान की 'जवान' में उनके प्रदर्शन को भी राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाज़ा गया। चाहे भावनात्मक गहराई वाले किरदार हों या बड़े पैमाने पर बनी व्यावसायिक फिल्में — सान्या ने दिखा दिया कि वे हर क्षेत्र में निपुण हैं। सान्या की यात्रा को खास बनाता है उनका वह गुण जिससे वे समान रूप से इंडी और मुख्यधारा की फिल्मों में दर्शकों का ध्यान आकर्षित करती हैं। जहां 'कटहल' ने उन्हें आलोचनात्मक सराहना और राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाया, वहीं उनकी आने वाली फिल्में 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' और एक ऐक्शन-कॉमेडी फिल्म (जिसकी शूटिंग इस साल शुरू होगी) उनके मेनस्ट्रीम स्टारडम को और मजबूत करती हैं। दर्शक अब सिर्फ उन्हें देख नहीं रहे — वे चाहते हैं कि सान्या बड़ी फिल्मों की मुख्य अभिनेत्री बनें और पूरी चमक के साथ स्क्रीन पर छा जाएं। यह जीत सान्या के करियर का एक निर्णायक मोड़ है, जो यह दर्शाती है कि वे हर किरदार में गहराई और सच्चाई के साथ जान फूंक देती हैं। उनके प्रशंसकों और साथियों के लिए यह जीत केवल एक पेशेवर उपलब्धि नहीं, बल्कि एक भावनात्मक पल भी रहा — यह याद दिलाता है कि सर्वोच्च स्तर पर मिलने वाला सम्मान दिल को भी छूता है।

विक्की जैन का बॉलीवुड डेब्यू, पत्नी अंकिता ने दी बधाई

टीवी सीरियल 'पवित्र रिश्ता' से मशहूर हुई एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के पति भी अब बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। वह यामी गौतम और इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म हक से बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। अंकिता लोखंडे ने अपनी पोस्ट में लिखा, मुझे आप पर बहुत गर्व है, प्यारे पति विक्की जैन। आपका हर कदम, आपकी हर उपलब्धि मुझे और भी ज्यादा उत्साहित करती है। अब इस अद्भुत फिल्म हक के सहयोगी निर्माता के रूप में आपकी लगन, कड़ी मेहनत और दूरदर्शिता पहले से कहीं ज्यादा चमक रही है। उन्होंने फिल्म की टीम की सराहना करते हुए आगे लिखा, पूरी टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद। विनीत सर, यामी, इमरान हाशमी, वर्तिका सिंह, संदीप, विशाल, जुही और इसमें शामिल सभी लोग। आप सभी को शुभकामनाएं। यह फिल्म लोगों के दिलों को छू लेगी और मैं इसे बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताब हूं। 7 नवंबर को यह रिलीज होने वाली है, तारीख याद रखें। अंकिता ने आगे लिखा, संदीप सिंह, आप मेरे परिवार का हिस्सा हैं। एक प्रमुख अभिनेत्री के रूप में मेरी पहली फिल्म आपके साथ थी और अब विक्की के सफर के साथ। हमारा यह संबंध और भी मजबूत होने जा रहा है। आपके साथ होना हमारे लिए बहुत सौभाग्य की बात है। हमेशा आगे बढ़ते रहें। फिल्म हक के बारे में बात करें तो, यह मोहम्मद अहमद खान बनाम शाहबानो बेगम केस पर आधारित है। यह भारत की सबसे चर्चित कानूनी लड़ाइयों में से एक है। वहीं कुछ दिनों पहले अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन का एक्सीडेंट हुआ था। उनके हाथ में गंभीर चोट आई और 45 टांके लगे थे। तब अंकिता लोखंडे अस्पताल में उनकी देखभाल करती दिखाई दी थीं। इस दौरान वे अपने पति की हालत देख भावुक हो गई थीं।

गोलीबारी की घटना के बाद दिशा ने शुरू की अगली फिल्म की शूटिंग

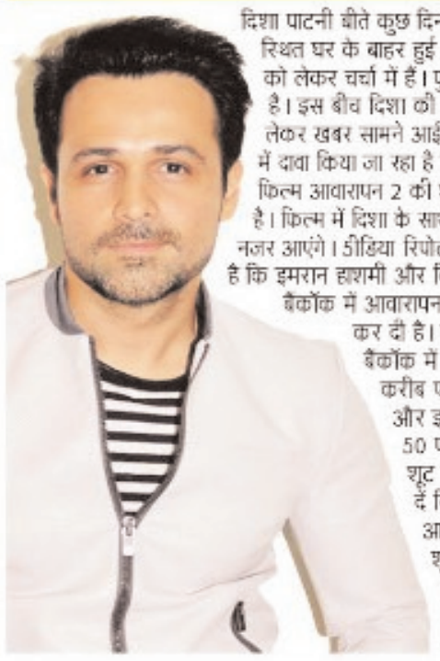

दिशा पाटनी बीते कुछ दिनों से अपने बरेली स्थित घर के बाहर हुई गोलीबारी की घटना को लेकर चर्चा में हैं। पुलिस जांच कर रही है। इस बीच दिशा की आगामी फिल्म को लेकर खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दिशा की अगली फिल्म आवारापन 2 की शूटिंग शुरू हो गई है। फिल्म में दिशा के साथ इमरान हाशमी नजर आएंगे। डीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि इमरान हाशमी और दिशा पटानी ने बैंकॉक में आवारापन 2 की शूटिंग शुरू कर दी है। कहा जा रहा है कि बैंकॉक में फिल्म का शेड्यूल करीब एक महीने का है और इस दौरान फिल्म का 50 फीसदी हिस्सा वहीं शूट किया जाएगा। बता दें कि इससे पहले खबर आई थी कि फिल्म की शूटिंग सितंबर के आखिर में शुरू होगी। अब खबरें हैं कि आवारापन 2 की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

लीड रोल में हैं दिशा पाटनी

कुछ वक्त पहले फिल्म को लेकर खबर आई थी कि विशेष भट्ट और नितिन ककड़ ने इमरान हाशमी के साथ आवारापन 2 के लिए अभिनेत्री दिशा पटानी को लीड रोल में साइन किया है। वहीं, पिंकविला के मुताबिक, फिल्म आवारापन 2 इस हफ्ते बैंकॉक में शूट हो रही है। फिल्म की शूटिंग वहां करीब महीनेभर चलेगी। यह एक मैराथन शेड्यूल है, जहां फिल्म का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा शूट किया जाएगा।

कब तक पूरी हो सकती है शूटिंग

रिपोर्ट के मुताबिक टीम फिल्म को मुख्य जगहों पर व्यापक स्तर पर शूट करना चाहती है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि निर्माता अपना सारा फोकस एक ब्लॉकबस्टर म्यूजिक एल्बम को क्यूरेट करने पर लगा रहे हैं और सभी संगीतकारों के साथ मिलकर बेस्ट आउटपुट हासिल करने के लिए काम कर रहे हैं। दरअसल, आवारापन फ्रैंचाइजी में म्यूजिक की अहम भूमिका है। मेकर्स इसके सीक्वल में संगीत के स्तर पर फैंस को निराश नहीं करना चाहते। बैंकॉक में फिलहाल करीब 30 दिन के शेड्यूल के बाद नवंबर में एक बार फिर से साथ जुटेगी।

झूठ बोलने के कारण ट्रोल हुए ये सेलेब्स

बॉलीवुड सेलेब्स अपनी इमेज को फैंस के सामने हमेशा चमका कर रखना चाहते हैं। कई स्टार्स अपने करियर स्ट्रगल को बढ़ा-चढ़ाकर बोलते हैं। कई एक्ट्रेस अपने लुक में आए चेंज को नेचुरल बताती हैं। वहीं कुछ स्टार्स अपनी बदली हुई आदतों से फैंस को इंप्रेस करने की कोशिश करते हैं। लेकिन ये सभी बातें आगे चलकर बहुत बड़ा झूठ साबित हो जाती हैं। झूठ बोलने के कारण ये सेलेब्स ट्रोल भी होते हैं।

रणबीर कपूर

पिछले साल निखिल कामथ के पॉडकास्ट में रणबीर कपूर ने जिक्र किया था कि बेटी राहा के जन्म के बाद उनकी जिंदगी में काफी बदलाव आया है, उन्होंने सिगरेट पीना भी छोड़ दिया है। लेकिन लगता नहीं है कि रणबीर कपूर अपनी बात पर टिक पाए। हाल ही में आर्यन खान निर्देशित सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में रणबीर कपूर ने कैमियो किया। सीरीज के एक सीन में वह वैप (ई सिगरेट) पीते दिखे। यूजर्स ने इस बात को लेकर रणबीर कपूर को ट्रोल किया।

मौनी रॉय

मौनी रॉय अक्सर ही अपने कॉस्मेटिक प्रोसिजर के कारण ट्रोल होती हैं। लेकिन वह कई इंटरव्यू में इस बात से इंकार कर चुकी हैं कि उन्होंने कोई प्लास्टिक सर्जरी कराई। मगर उनकी कई साल पुरानी तस्वीर और आज के लुक में जमीन-आसमान का अंतर है। ऐसे में मौनी रॉय का यह कहना कि कॉस्मेटिक सर्जरी नहीं कराई, अपने आप एक झूठ साबित हो जाता है।

रणवीर सिंह

रणवीर सिंह अपने करियर के शुरुआती स्ट्रगल का जिक्र बहुत करते हैं। कई फैंस उन्हें आउटसाइडर मानते हैं, क्योंकि रणवीर सिंह की बातों से लगता है कि उनका कोई फिल्मी कनेक्शन नहीं रहा है। जबकि रणवीर सिंह का बॉलीवुड से अच्छा-खासा नाता है। रणवीर सिंह की दादी चांद बर्क एक एक्ट्रेस थीं। चांद बर्क ने राज कपूर की फिल्म 'बूट पॉलिश' में अभिनय किया था।

फराह खान ने खोली पोल

फराह खान अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। अपने यूट्यूब चैनल पर एक बार फराह खान ने बताया था कि एक्टर्स कई बातों को लेकर झूठ बोलते हैं। फराह खान बताती हैं कि जो सेलेब्स कहते हैं कि उनकी फिटनेस नेचुरल है, वह झूठ बोलते हैं। इसके लिए वह खुद को भूखा तक रखते हैं, 24 घंटे जिम में रहते हैं। इसके अलावा फराह खान ने बताया था कि जिम के बाहर पैपराजी को सेलेब्स खुद ही बुलाते हैं।

स्वामी मोर्निंग सिटी मल्टीमीडिया प्रा.लि. मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक- सुशील कुमार सिंह (मोबाइल न. 8077588101), पुरराज प्रिंट एंड पैकिंग प्रा. लि., ई - 19 सेक्टर 6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से छपवाकर शॉप न. - 307, 308 एल्फा - 1 नीलकंठ प्लाजा, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित। (RNI No. UPHIN/2015/60949) (समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र गौतमबुद्धनगर होगा) प्रकाशिक सामग्री या विज्ञापन में संपादक / प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नही है। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्यवाही या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की सकती है। ई-मेल-morningcityinput@gmail.com।